website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 238 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 06 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

फिलीपींस के राष्ट्रपति और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता

-रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने भारत की स्वदेशी रक्षा उद्योग की बढ़ती क्षमताओं और विस्तार की सराहना की। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना को भारत-फिलीपींस रक्षा सहयोग का प्रमुख उदाहरण बताया।

राष्ट्रपति मार्कोस ने कहा कि फिलीपींस अपनी रक्षा आधुनिकीकरण को गति देने में भारत को एक प्रमुख साझेदार मानता है और दोनों देश इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को मुक्त और समावेशी बनाए रखने के लिए सहयोग को तैयार हैं।

संयुक्त प्रेस वक्तव्य में उन्होंने बताया, "हमने रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को और आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है। हमारी सेनाओं के बीच जानकारी साझा करने और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सेवा-से-सेवा संवाद तंत्र स्थापित करने पर भी सहमति बनी है।" उन्होंने कहा कि दोनों देश नौसेना और तटरक्षक बल के बीच सहयोग, बंदरगाह भ्रमण और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण जैसे प्रयासों को तेज करेंगे।

राष्ट्रपति मार्कोस ने बताया कि दोनों देशों ने द्विपक्षीय वरीयता व्यापार समझौते को शीघ्रता से अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, "हमारे नवाचारशील और तेजी से बढ़ते निजी उद्यम तकनीकी स्थानांतरण, नवाचार, कौशल विकास और रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभाएंगे।"

राष्ट्रपति मार्कोस ने 2024 में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद भारतीय नौसेना द्वारा फिलीपींस नागरिकों को बचाए जाने पर आभार जताया। साथ ही 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की भी कड़ी निंदा करते हुए भारत के साथ एकजुटता प्रकट की।

उन्होंने कहा, "हम भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ व्यापक लड़ाई में साझेदार हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते कदमों के लिए भी मैं बधाई देता हूं।"

राष्ट्रपति ने बताया कि अब भारत, फिलीपींस का पांचवां रणनीतिक साझेदार बन गया है। उन्होंने कहा, "यह हमारे संबंधों में एक नया युग है। हमारे साझा हितों, क्षेत्रीय स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, खाद्य सुरक्षा और आतंकवाद जैसे पारंपरिक व अप्राकृतिक खतरों से निपटने में हम मिलकर काम करेंगे।"

उन्होंने कहा कि भारत और फिलीपींस ने संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून और 2016 के दक्षिण चीन सागर पर अंतरराष्ट्रीय पंचाट के निर्णय के पालन जैसे मुद्दों पर भी एक-दूसरे का समर्थन किया है।

राष्ट्रपति मार्कोस ने अपने संबोधन के अंत में कहा, "मैं भारत और प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त करता हूं। आज हमारा रिश्ता एक नई ऊंचाई पर पहुंचा है।"

उत्तरकाशी में बादल फटने से भारी तबाही : राष्ट्रपति मुर्मु ने जताया दुख

-अब तक 20 लोगों का रेस्क्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में मंगलवार को भूस्खलन और बादल फटने की घटना में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उत्तरकाशी त्रासदी पर दुख जताया। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति मुर्मु के कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी किए एक बयान में कहा, "उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना का समाचार अत्यंत दुखद है। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करती हूं और राहत तथा बचाव कार्यों में सफलता की कामना करती हूं।"

इस बीच, पीएम मोदी ने उत्तरकाशी त्रासदी के बारे में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी से जानकारी ली। सीएम धामी ने एक्स पर बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर धराली (उत्तरकाशी) में बादल फटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्हें प्रदेश सरकार, एसडीआरएफ, सेना और अन्य रेस्क्यू टीमों द्वारा चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्य से अवगत कराया। प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तरकाशी त्रासदी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, "उत्तरकाशी के धराली गांव में बादल फटने की घटना दुखद और हृदय विदारक है। घटना के तुरंत बाद सेवा के जवान, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की रेस्क्यू टीम वहां पहुंच गई है और सरकार द्वारा युद्ध स्तर पर बचाव एवं राहत कार्य किया जा रहा है।"

उन्होंने कहा, "80 साल पहले भी वहां इस प्रकार की घटना घटित हुई थी। इस समय पूरी सरकार सजग है और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में पूरा रेस्क्यू कार्य चल रहा है। सिंचाई और लोक निर्माण विभाग के सभी अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और पूरी घटना पर अपनी पैनी निगाह रखे हुए हैं।"

उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना पर लेफ्टिनेंट कर्नल मनीष श्रीवास्तव ने कहा, "मंगलवार दोपहर हर्षिल के पास धराली गांव के पास एक बड़ा बादल फटा। इसके बाद भारी बाढ़ और मलबा गांव में घुस आया, जिससे घरों और निवासियों को भारी नुकसान हुआ। हर्षिल में तैनात भारतीय सेना की इकाई को सूचना मिली और वे 10 मिनट के भीतर ही वहां पहुंच गई। मुश्किल हालातों के बावजूद करीब 20 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। साथ ही जो लोग लापता हैं, उनकी तलाश जारी है।" बता दें कि उत्तरकाशी में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। आईटीबीपी, एनडीआरएफ की दो टीमें और सेना की एक टीम राहत कार्य में जुटी हुई है। सेना की टीम में करीब 80 जवान शामिल हैं।

भारत पर अगले 24 घंटे में टैरिफ में होगी भारी वृद्धि- डोनाल्ड ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी) अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वह अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफ और बढ़ाएंगे। इससे पहले ट्रंप भारतीय निर्यात पर 7 अगस्त से 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर चुके हैं। सीएनबीसी के साथ एक इटरव्यू में, ट्रंप ने कहा कि वह भारत पर टैरिफ बढ़ाएंगे और पहले तय की गई 25 प्रतिशत की दर में संशोधन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, "भारत में सबसे ज्यादा टैरिफ हैं। हम भारत के साथ बहुत कम व्यापार करते हैं। हमने 25 प्रतिशत पर समझौता किया था, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा।" उन्होंने दावा किया कि भारत रूसी तेल खरीद रहा है और रूसी वार मशीन को बढ़ावा दे रहा है। दूसरी तरफ, भारत ने अतिरिक्त टैरिफ की धमकी को "अनुचित" बताया है। वहीं, रूस ने भी मंगलवार को कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिका की इस तरह की दबाव बनाने की रणनीति को "अवैध" करार दिया। उसने भारत का समर्थन किया और मॉस्को से तेल खरीदने पर नई दिल्ली पर टैरिफ बढ़ाने की ट्रंप की धमकियों की आलोचना करते हुए कहा, "संप्रभु राष्ट्रों को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने का अधिकार होना चाहिए।"

रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव के हवाले से रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने कहा, "रूस भारत के खिलाफ अमेरिकी धमकियों को जानता है और ऐसे बयानों को जायज नहीं मानता। संप्रभु देशों को अपने व्यापारिक साझेदार, व्यापार और आर्थिक सहयोग में साझेदार चुनने और किसी विशेष देश के हित में व्यापार और आर्थिक सहयोग व्यवस्था चुनने का अधिकार होना चाहिए।" ट्रंप द्वारा नई दिल्ली पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी के बाद, भारत सरकार ने सोमवार को कहा कि रूसी तेल खरीद को लेकर अमेरिका द्वारा भारत को निशाना बनाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि किसी भी बड़ी अर्थव्यवस्था की तरह, "भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।" सरकार के अनुसार, यूक्रेन संघर्ष शुरू होने के बाद रूस से तेल आयात करने के कारण भारत अमेरिका और यूरोपीय संघ के निशाने पर है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "दरअसल, भारत ने रूस से आयात इसलिए शुरू किया क्योंकि संघर्ष शुरू होने के बाद पारंपरिक आपूर्ति यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय अमेरिका ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों की स्थिरता को मजबूत करने के लिए भारत द्वारा इस तरह के आयात को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया था।"

भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा में भारत सक्रिय रूप से शामिल- रामनाथ ठाकुर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर चर्चा में भारत सक्रिय रूप से शामिल है। इसका उद्देश्य विकास को प्रोत्साहित करने के लिए व्यापार और निवेश को बढ़ाना तथा भारत- अमेरिका व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करना है, जिससे विशेष रूप से कृषि उत्पादों सहित श्रम सघन क्षेत्र में निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित होगा। कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में एक लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने संसद को बताया कि वर्तमान चर्चाओं में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पारस्परिक रूप से मार्केट एक्सेस बढ़ाकर, टैरिफ एवं नॉन-टैरिफ बाधाओं को कम करके और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण को सुदृढ करके द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने और बढ़ाने हेतु एक एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की दिशा में कैसे आगे बढ़ा जाए। रामनाथ ठाकुर ने बताया कि अमेरिका सहित हमारे अंतर्राष्ट्रीय पार्टनरों के साथ व्यापार समझौतों पर चर्चा के दौरान हमारे किसानों के आजीविका से जुड़े हित और खाद्य सुरक्षा की आवश्यकताएं सरकार के लिए सदैव सर्वोपरि रही हैं।

भारत ने अमेरिकी टैरिफ पर लिया स्टैंड

- क्रेमलिन बोला- संप्रभु देश को अपने साझेदार चुनने का हक

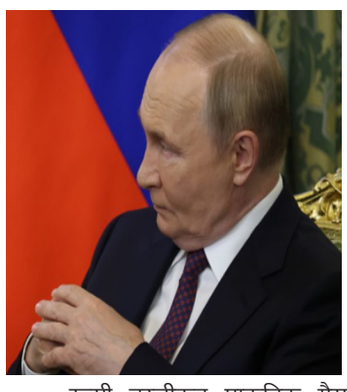

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बढ़ाने की धमकी का मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इसे तर्कहीन और अनुचित करार दिया। भारत के इस स्टैंड की रूसी मीडिया ने जमकर तारीफ की है। भारत पर अमेरिकी टैरिफ को पाखंडपूर्ण नीति का तमगा दिया गया है, तो क्रेमलिन ने भी भारत का सपोर्ट किया है।

दिमित्री पेस्कोव ने कहा- किसी भी संप्रभु देश को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने का अधिकार

क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को इस पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु देश को अपने व्यापारिक साझेदार चुनने का अधिकार है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति के वक्तव्य को धमकी भी बताया। बोले, हम कई ऐसे बयान सुनते हैं जो दरअसल धमकियां हैं, देशों को रूस के साथ व्यापारिक संबंध तोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिशें हैं। हम ऐसे बयानों को लीगल नहीं मानते।"

रशिया टुडे ने कहा-रूस के तेल व्यापार पाखंड पर भारत का पश्चिमी देशों पर पलटवार

तो वहीं, रूसी मीडिया ने रणधीर जायसवाल वक्तव्य को प्रमुखता से छापा। रशिया टुडे ने शीर्षक दिया- रूस के तेल व्यापार पाखंड पर भारत का पश्चिमी देशों पर पलटवार। इस पूरे आर्टिकल में ट्रंप को भारत की ओर से दिए गए जवाब का जिक्र है। लिखा है- भारतीय विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के दोहरे रवैये की पोल खोली और आंकड़ों के माध्यम से बताया कि यूरोपियन यूनियन और अमेरिका मास्को के साथ व्यापार करते हैं और दूसरे देशों पर अन्यायपूर्ण प्रतिबंध लगा रहे हैं।

फिर उन 6 प्वाइंट्स का जिक्र है जिसके आधार पर भारत के स्टैंड को रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया है।

भारत ने ट्रंप को दिखाया आईना

बता दें कि सोमवार को भारत ने ट्रंप को आईना दिखाने का काम किया। उनकी धमकी को अनुचित और तर्कहीन करार देते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'अमेरिका अब भी रूस से अपने परमाणु उद्योग के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक वाहन इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायन आयात करता है।' उन्होंने कहा कि किसी भी प्रमुख अर्थव्यवस्था की तरह, भारत अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक उपाय करेगा। इसके लिए हमें निशाना बनाया जाना अनुचित और अविवेकपूर्ण है।

प्रवक्ता ने आंकड़े प्रस्तुत करते हुए कहा, "यूरोपीय संघ ने 2024 में रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का माल और 2023 में 17.2 अरब यूरो का सेवा व्यापार किया था। यह मास्को के साथ भारत के कुल व्यापार से कहीं ज्यादा है। पिछले साल यूरोपीय देशों ने रूसी तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात भी रिकॉर्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंचा, जिसमें ऊर्जा के अलावा उर्वरक, रसायन, इस्पात और मशीनरी तक का व्यापार शामिल था।"

अमेरिका खुद रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है

भारत ने यह भी कहा कि अमेरिका रूस से प्रमुख वस्तुओं का आयात जारी रखे हुए है, जिनमें परमाणु संयंत्रों के लिए यूरेनियम, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पैलेडियम, और विभिन्न रसायन एवं उर्वरक शामिल हैं।

इससे पहले , अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी देने के अंदाज में कहा था कि वह भारत पर टैरिफ बढ़ाएंगे। उन्होंने धमकी दी थी कि अगर मास्को यूक्रेन के साथ एक बड़े शांति समझौते पर सहमत नहीं होता, तो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा दिए जाएंगे।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने बढ़ाई गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने मंगलवार को राज्यसभा में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया। इस प्रस्ताव में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने की अनुमति मांगी गई। मणिपुर में पहले से राष्ट्रपति शासन लागू है अब इसे अगले छह महीने तक के लिए और आगे बढ़ाने की अनुमति मांगी गई। भारी हंगामे के बीच सदन ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। मंगलवार को राज्यसभा में लाया गया यह प्रस्ताव 13 फरवरी 2025 को राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत जारी अधिसूचना से जुड़ा है। इस अधिसूचना के तहत लागू राष्ट्रपति शासन की निरंतरता को जारी रखने के लिए यह प्रस्ताव था। अब मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को 13 अगस्त से अगले छह महीनों के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव स्वीकार किया गया है। मणिपुर में राष्ट्रपति की अवधि बढ़ाने के राज्यसभा में लिए प्रस्ताव में कहा गया है, "यह सदन मणिपुर राज्य के संबंध में राष्ट्रपति द्वारा 13 फरवरी 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के अंतर्गत जारी की गई उद्घोषणा की प्रभावशीलता को 13 अगस्त 2025 से आगे छह माह की अवधि के लिए बनाए रखने की स्वीकृति देता है।" केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय द्वारा सदन में यह प्रस्ताव रखे जाने के उपरांत उप सभापति ने इस प्रस्ताव को चर्चा के लिए सदन के समक्ष रखा। हालांकि इस दौरान सदन में जबरदस्त हंगामा होता रहा। विपक्षी सांसद बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के गहन रिव्यू (एसआईआर) पर चर्चा कराने की मांग कर रहे थे। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची के गहन रिव्यू के जरिए कई लोगों को वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। चर्चा की मांग को लेकर विपक्षी सांसद संसद में नारे लगाते रहे। कांग्रेस समेत विपक्ष के अधिकांश सांसदों ने इस मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। इसी हंगामे के बीच सदन में यह प्रस्ताव पारित व स्वीकार किया गया। गौरतलब है कि मणिपुर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए फरवरी 2025 में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। अब इस राष्ट्रपति शासन की अवधि समाप्त होने से पहले, इसे आगे बढ़ाने के लिए संसद की मंजूरी आवश्यक है। 13 फरवरी 2025 को भारत के राष्ट्रपति ने अनुच्छेद 356 के तहत मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा की थी। संविधान के अनुसार राष्ट्रपति शासन की घोषणा के बाद यह राष्ट्रपति शासन 6 महीने तक वैध है। 13 अगस्त 2025 को इसकी अवधि समाप्त हो रही है। इसलिए अब इसे अगले 6 महीने तक बढ़ाने का प्रस्ताव संसद में रखा गया। यह प्रस्ताव केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में प्रस्तुत किया।

गौरतलब है कि मणिपुर में पिछले कुछ वर्षों से जातीय संघर्ष, कानून-व्यवस्था की समस्याएं और राजनीतिक अस्थिरता चल रही है। इन्हीं कारणों को देखते हुए मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाया गया है।

सीएम धामी ने राज्य आपदा परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक की

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून में राज्य आपदा परिचालन केंद्र में अधिकारियों के साथ बैठक की और उत्तरकाशी में बादल फटने की घटना के बाद स्थिति का जायजा लिया। इससे पहले सीएम धामी बादल फटने की घटना के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। वहीं, आज मंगलवार को उत्तरकाशी में आई आपदा को देखते हुए प्रदेश सरकार ने अगले आदेश तक उत्तरकाशी जिले में तीन IAS अधिकारियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा, आपदा प्रभावित क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्यों में जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए अगले आदेश तक तत्काल प्रभाव से उत्तरकाशी जिले में तीन पुलिस अधिकारियों की तैनाती की गयी है।

उत्तरकाशी में जिलास्तरीय आपात नियंत्रण कक्ष की स्थापना

सीएम धामी ने एक्स पर कहा कि देहरादून स्थित आपदा कंट्रोल रूम पहुंचकर धराली (उत्तरकाशी) में बादल फटने से उत्पन्न हुई स्थिति की जानकारी ली एवं प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर संचालित करने के निर्देश दिए। उत्तरकाशी में जिलास्तरीय आपात नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गई है।

प्रशासन को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश

उन्होंने बताया कि प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, आवश्यक चिकित्सा एवं राहत सामग्री उपलब्ध कराने, घायलों को बेहतर उपचार मुहैया कराने सहित उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाने हेतु प्रशासन को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। धराली के आसपास के क्षेत्रों में 108 एंबुलेंस सेवा हाई अलर्ट पर रखने एवं सभी चिकित्सा अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी जारी

सीएम धामी ने कहा कि राहत और बचाव कार्यों में केंद्र सरकार का पूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस दौरान अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी संबंधित हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे सक्रिय रहें। मौसम विभाग द्वारा प्रदेश के अनेक क्षेत्रों में अत्यधिक वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

सीएम धामी ने नागरिकों को मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा ना करने को कहा

उन्होंने नागरिकों से अनुरोध है कि मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा ना करें। सीएम धामी ने कहा कि उनकी सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कृपया सतर्क रहें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

धराली के आसपास के क्षेत्रों में 108 एंबुलेंस सेवा हाई अलर्ट पर

वहीं, सीएम धामी ने मीडिया को बताया कि प्रभावितों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, आवश्यक चिकित्सा एवं राहत सामग्री उपलब्ध कराने, घायलों को बेहतर उपचार मुहैया कराने सहित उन्हें हर संभव सहायता पहुंचाने हेतु प्रशासन को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। धराली के आसपास के क्षेत्रों में 108 एंबुलेंस सेवा हाई अलर्ट पर रखने एवं सभी चिकित्सा अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के निर्देश दिए हैं।

पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक का दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में निधन

सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व राज्यपाल चौधरी सत्यपाल सिंह मलिक का मंगलवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। दिल्ली के डॉ. राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। सत्यपाल मलिक के निधन की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनके ही आधिकारिक अकाउंट से साझा की गई। एक्स पोस्ट में लिखा गया, "पूर्व गवर्नर चौधरी सत्यपाल सिंह मलिक नहीं रहे।"

जानकारी के अनुसार, सत्यपाल मलिक पिछले कई महीनों से विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। आरएमएल अस्पताल में उन्हें भर्ती कराया गया था, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा था। लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद मंगलवार को उनका निधन हो गया।

चौधरी सत्यपाल सिंह मलिक मेघालय, गोवा, बिहार और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में राज्यपाल के पद पर रह चुके थे। मलिक ने जम्मू-कश्मीर के अंतिम पूर्णकालिक राज्यपाल के रूप में काम किया। कई प्रमुख नेताओं,

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सार्वजनिक जीवन में सिविक सेंस और शिष्टाचार की गिरावट: एक गंभीर चिंता

आज के समय में जब भारत एक विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर हो रहा है, तब समाज में नागरिक जिम्मेदारियों और शिष्टाचार की गिरती हुई स्थिति चिंता का विषय बनती जा रही है। हाल ही में श्रीनगर एयरपोर्ट पर एक आर्मी अफसर द्वारा एक्सट्रा लगेज ले जाने से रोके जाने पर एयरलाइंस कर्मियों से की गई मारपीट की घटना ने इस मुद्दे को फिर से रेखांकित कर दिया है। यह केवल एक isolated घटना नहीं है। कुछ ही दिन पहले एक अन्य विमान में यात्रा कर रहे एक यात्री ने अपने सहयात्री को आवेश में आकर थप्पड़ मार दिया। ऐसी घटनाएं अब अक्सर सामने आने लगी हैं, जो यह दर्शाती हैं कि समाज में एक वर्ग ऐसा बनता जा रहा है जो सार्वजनिक स्थलों पर अपने कर्तव्यों और सीमाओं को भूलता जा रहा है। विमान, रेल या बस जैसी सार्वजनिक परिवहन सेवाएं केवल यात्रा का साधन नहीं होतीं, बल्कि यह सामाजिक व्यवहार की एक प्रयोगशाला की तरह होती हैं। जहां व्यक्ति का धैर्य, संयम और सामूहिक अनुशासन की परीक्षा होती है। यात्रा के दौरान छोटे-छोटे नियम और शिष्टाचार का पालन केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए नहीं होता, बल्कि यह सामाजिक सामंजस्य को बनाए रखने का आधार बनते हैं। चाहे वह समय पर पहुंचना हो, अपनी सीट का ध्यान रखना, दूसरों की सुविधा का ख्याल रखना, या फिर कर्मचारियों के निर्देशों का पालन करना – यह सब सामान्य नागरिक कर्तव्यों का हिस्सा है। लेकिन दुख की बात यह है कि जैसे-जैसे लोगों के पास ओहदा, पैसा और पहुंच बढ़ रही है, वैसे-वैसे कुछ लोग यह मानने लगते हैं कि नियम उनके लिए नहीं हैं। यह सोच कि "मैं कुछ भी कर सकता हूं" या "मेरे पास ताकत है, तो मैं जवाबदेह नहीं हूं", सार्वजनिक जीवन में सबसे खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है। जब कोई व्यक्ति एयरपोर्ट पर कर्मचारी से बदतमीज़ी करता है, या फ्लाइट में दूसरे यात्री पर हाथ उठा देता है, तो वह केवल उस व्यक्ति का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज के नागरिक मूल्यों का अपमान करता है। नियम और कानून किसी एक व्यक्ति पर लागू नहीं होते, ये सब पर समान रूप से लागू होते हैं। विशेषकर वर्दीधारी या उच्च पदों पर आसीन लोगों से समाज को यह अपेक्षा होती है कि वे आमजन के लिए एक मिसाल पेश करें। लेकिन जब वही लोग सार्वजनिक स्थानों पर मर्यादा का उल्लंघन करते हैं, तो यह उदाहरण बनता है दूसरों के लिए गलत दिशा में जाने का। यह मानसिकता हमें सामूहिक विनम्रता और सम्मान के उस स्तर से दूर ले जा रही है, जिसकी आवश्यकता किसी भी सभ्य समाज को होती है। इसके पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि आज के समाज में गुस्सा, अहंकार और अधैर्य अत्यधिक बढ़ गया है। सोशल मीडिया और त्वरित संवाद के इस दौर में लोगों की सहनशीलता कम हो गई है। छोटी-छोटी बातों पर लोग उग्र हो जाते हैं। उन्हें यह समझ नहीं आता कि सार्वजनिक स्थान पर उनका हर एक बर्ताव, उनके चरित्र और उनकी नागरिक जिम्मेदारी को दर्शाता है। सरकार और संबंधित एजेंसियां इन घटनाओं में दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी ही, लेकिन इससे कहीं अधिक ज़रूरी यह है कि हम सभी अपने भीतर झांककर देखें कि कहीं हम भी तो इस प्रवृत्ति का हिस्सा नहीं बनते जा रहे।

लोकतंत्र के लिए नासूर बनता दलबदल खेल: सुप्रीम कोर्ट ने जताई संविधान संशोधन की जरूरत

-सुप्रीम कोर्ट की गंभीर चिंता: मौजूदा कानून अब नाकाफी

भारतीय लोकतंत्र आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां जनादेश की पवित्रता, जनप्रतिनिधियों की नैतिकता और राजनीतिक दलों की वैचारिक प्रतिबद्धता गहरे संकट में हैं। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से राज्यों में सरकारें गिरती-बनती रही हैं, वह देश की संसदीय प्रणाली के मूल सिद्धांतों को चुनौती देता है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में हुई राजनीतिक उठापटक के सिलसिले में टिप्पणी करते हुए कहा कि "अब समय आ गया है कि दलबदल को रोकने के लिए संविधान में आवश्यक संशोधन किया जाए, क्योंकि मौजूदा कानून पर्याप्त नहीं रह गया है।" यह टिप्पणी न सिर्फ महत्वपूर्ण है, बल्कि यह लोकतंत्र के स्वास्थ्य की जांच करने का भी एक मौका है। यह लेख इसी विषय को गहराई से विश्लेषित करता है कि किस प्रकार दलबदल लोकतंत्र के लिए नासूर बन चुका है, सुप्रीम कोर्ट की क्या चिंताएं हैं और अब तक दलबदल रोकने के लिए क्या प्रयास हुए हैं।

दलबदल: समस्या की जड़ क्या है?

दलबदल (Defection) का अर्थ है कि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने चुनाव के समय जिस राजनीतिक दल का हिस्सा था, उसे छोड़कर किसी अन्य दल में शामिल हो जाए, या उसकी नीतियों के विरुद्ध कार्य करे। भारत में यह समस्या स्वतंत्रता के बाद से ही देखने को मिली, लेकिन इसका व्यापक रूप 1967 के आम चुनावों के बाद सामने आया।

आंध्र प्रदेश के नेता गोपी नाथ मुंडे ने 1967 में कहा था: "दलबदल तो अब राजनीति का पेशा बन चुका है।"

1967 से 1971 के बीच देश भर में 400 से अधिक दलबदल हुए। यह आंकड़ा साफ बताता है कि राजनीतिक स्थिरता और जनादेश की मर्यादा किस तरह कुचली जा रही थी।

संविधान में पहली कोशिश: 52वां संशोधन (1985) और 10वीं अनुसूची

दलबदल को रोकने के लिए सबसे बड़ा कदम राजीव गांधी सरकार ने 1985 में उठाया जब 52वां संविधान संशोधन लाया गया। इस संशोधन के माध्यम से 10वीं अनुसूची (Tenth Schedule) जोड़ी गई, जिसे आम बोलचाल में दलबदल विरोधी कानून (Anti-Defection Law) कहा जाता है।

10वीं अनुसूची की मुख्य बातें:

यदि कोई विधायक/सांसद: अपनी पार्टी के व्हिप के खिलाफ वोट करता है

अपनी पार्टी छोड़ देता है

पार्टी द्वारा निष्कासित किया जाता है

तो वह अयोग्य (Disqualified) घोषित किया जा सकता है।

स्पीकर/चेयरमैन को अधिकार दिया गया कि वे तय करें कि किसी सदस्य की सदस्यता खत्म हो या नहीं।

दो-तिहाई बहुमत से हुए विलय को दलबदल नहीं माना गया।

समस्याएं:

निर्णय का अधिकार स्पीकर के पास होने से पक्षपात की संभावना रहती है। निर्णय लेने में देरी से राजनीतिक समीकरण बदल जाते हैं। "विलय" की परिभाषा का दुरुपयोग कर कई नेता सामूहिक रूप से दल बदल कर लेते हैं और बचे रहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी: नया अलार्म

2024-25 में महाराष्ट्र, मणिपुर और गोवा जैसे राज्यों में जो राजनीतिक घटनाक्रम सामने आए, उन्हें देखकर सुप्रीम कोर्ट को गंभीर टिप्पणी करनी पड़ी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा: "10वीं अनुसूची का उद्देश्य राजनीतिक भ्रष्टाचार को रोकना था, लेकिन अब यह कानून खुद राजनीतिक खेल का हिस्सा बन गया है।"

"दलबदल के मामलों में स्पीकर का फैसला जल्दी होना चाहिए, अन्यथा लोकतंत्र कमजोर पड़ता है।" "संविधान संशोधन कर किसी स्वतंत्र संस्था को यह अधिकार देना चाहिए कि वह तय करे कि कोई सदस्य अयोग्य है या नहीं।" यह सुझाव बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे स्पीकर की राजनीतिक निष्ठा से बचा जा सकेगा।

हालिया घटनाएं जो सुप्रीम कोर्ट की चिंता का कारण बनीं

महाराष्ट्र (2022-2023):

शिवसेना में टूट: एकनाथ शिंदे गुट ने बगावत की और भाजपा के समर्थन से सरकार बना ली। मामला सुप्रीम कोर्ट में गया, लेकिन तब तक सरकार बन चुकी थी। स्पीकर की भूमिका सवालों के घेरे में रही।

मणिपुर:

कांग्रेस के कई विधायक भाजपा में शामिल हुए लेकिन स्पीकर ने अयोग्यता पर फैसला नहीं दिया।

2 साल से अधिक समय तक मामले लटके रहे।

गोवा:

कांग्रेस के 15 में से 10 विधायक भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन "विलय" का हवाला देकर बच गए। इन सभी मामलों ने यह स्पष्ट किया कि 10वीं अनुसूची में गंभीर कमियां हैं और इसका दुरुपयोग लोकतंत्र के खिलाफ हो रहा है।

5. दलबदल के गंभीर दुष्परिणाम

जनादेश की अवहेलना: जनता ने एक विचारधारा और पार्टी को वोट दिया था, लेकिन दलबदल से उनकी इच्छा का उल्लंघन होता है।

राजनीतिक अस्थिरता: राज्य सरकारें गिरती हैं, नई बनती हैं, और प्रशासनिक कार्य ठप पड़ जाते हैं।

लोकतंत्र में जनता का भरोसा टूटता है: जब विधायक और सांसद बार-बार पाला बदलते हैं, तो आम जनता को राजनीति से घृणा होने लगती है।

भ्रष्टाचार को बढ़ावा: दलबदल के पीछे प्रायः धन, पद या अन्य लाभ दिए जाने की बातें सामने आती हैं। यह "हॉर्स ट्रेडिंग" लोकतंत्र को शर्मसार करता है।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसले और दिशा-निर्देश

के. इशरप्पा बनाम कर्नाटक विधानसभा केस (2020): कोर्ट ने कहा कि स्पीकर को 3 महीने में निर्णय देना होगा। अगर देरी होती है, तो कोर्ट हस्तक्षेप कर सकता है।

नवीन चावला केस (2009): कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों को निष्पक्ष रहना चाहिए।

संभावित समाधान: संविधान में जरूरी संशोधन

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद यह आवश्यक हो गया है कि संविधान में बदलाव कर दलबदल विरोधी कानून को प्रभावशाली बनाया जाए।

सुझाव:

स्पीकर की जगह एक स्वतंत्र प्राधिकरण (जैसे रिटायर्ड जज) को यह अधिकार मिले कि वह तय करे कि कौन दलबदलू है। निर्णय की समयसीमा निर्धारित हो – 30 से 60 दिन में निर्णय अनिवार्य हो।

"विलय" की शर्तों को सख्त किया जाए ताकि सामूहिक दलबदल को भी रोका जा सके। दलबदल पर सजा और सार्वजनिक बहिष्कार की व्यवस्था हो। दलबदल करने वाले को दोबारा चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए।

लोकतंत्र बचाना है तो दलबदल रोकना होगा

दलबदल अब व्यक्तिगत लोभ, दलगत स्वार्थ और लोकतांत्रिक मूल्यों की हत्या का प्रतीक बन चुका है। भारत जैसा विशाल लोकतंत्र ऐसे अनैतिक खेल का बोझ अधिक दिनों तक नहीं झेल सकता। सुप्रीम कोर्ट की चिंता न केवल वाजिब है, बल्कि उसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। जनता का मत, जनता की भावना और लोकतंत्र की पवित्रता तभी सुरक्षित रह सकती है जब दलबदल करने वालों को सख्त सज़ा मिले, और ऐसा कानून बनाया जाए जो राजनीति को नीतिपरक बनाए। "एक बार चुना गया प्रतिनिधि जनता का सेवक होता है, दल का गुलाम नहीं।"

इस मूल भावना को बचाने के लिए संविधान को मज़बूत करना जरूरी है।

सुझाव: संसद को चाहिए कि सुप्रीम कोर्ट की सलाह को गंभीरता से लेकर व्यापक बहस करे। सिविल सोसायटी और मीडिया को इस मुद्दे को जनचेतना का हिस्सा बनाना चाहिए। शिक्षा व्यवस्था में राजनीतिक नैतिकता पर ज़ोर दिया जाए। भारतीय लोकतंत्र इस वक्त गंभीर संकट से गुजर रहा है, जहां दलबदल (Defection) का खेल जनादेश की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहा है। राज्यों में बार-बार होने वाले राजनीतिक बदलावों ने यह साबित कर दिया है कि मौजूदा दलबदल विरोधी कानून अब नाकाफी है। इसी संदर्भ में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संविधान में आवश्यक संशोधन कर दलबदल रोकने के लिए सख्त प्रावधान किए जाने चाहिए।

केएफ-21 बोरामे: भारत की वायुशक्ति में संभावनाओं की नई उड़ान

-दक्षिण कोरिया के मल्टीरोल फाइटर जेट में भारत की रणनीतिक दिलचस्पी

भारत की वायुशक्ति में अत्याधुनिक तकनीक के साथ नए लड़ाकू विमानों की आवश्यकता को लेकर पिछले कई वर्षों से चर्चाएं चल रही हैं। भारतीय वायुसेना की युद्ध क्षमता को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से चल रही मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (MRFA) परियोजना के तहत 114 नए लड़ाकू विमान खरीदे जाने हैं। इस परियोजना को लेकर अंतरराष्ट्रीय रक्षा कंपनियों की निगाहें भारत पर टिकी हैं। इसी संदर्भ में दक्षिण कोरिया के उभरते फाइटर जेट केएफ-21 बोरामे (KF-21 Boramae) को लेकर भारत की दिलचस्पी चर्चा में है। हालिया रिपोर्ट्स और रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, भारत इस कोरियाई विमान को एक कम लागत वाले लेकिन हाई-परफॉर्मेंस विकल्प के रूप में देख रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर KF-21 बोरामे है क्या, इसकी विशेषताएं क्या हैं, और भारत के लिए यह कितनी उपयोगी हो सकती है?

केएफ-21 बोरामे: एक परिचय

KF-21 'Boramae' दक्षिण कोरिया का एक नेक्स्ट जेनरेशन मल्टीरोल फाइटर जेट है, जिसे कोरियन एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ (KAI) ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य अमेरिकी F-16 और F/A-18 जैसे विमानों की जगह लेना और चीन के J-10 व JF-17 जैसे विमानों को टक्कर देना है। KF-21 का नाम "बोरामे" (Boramae) एक कोरियाई शब्द है जिसका मतलब होता है "युद्ध में प्रशिक्षित बाज"।

प्रमुख विशेषताएं:

पीढ़ी: 4.5+ जेनरेशन फाइटर (फिफ्थ-जेन फीचर्स के साथ)

स्पीड: मैक 1.8 (लगभग 2200 किमी/घंटा)

रेंज: लगभग 2900 किमी

वजन: लगभग 25 टन (फुल लोड पर)

वजन वहन क्षमता (Payload): 7.7 टन तक

हथियार: एयर-टू-एयर मिसाइल, एयर-टू-ग्राउंड बम, लेजर गाइडेड बम, क्रूज़ मिसाइल आदि

KF-21 में स्टील्थ डिजाइन, उन्नत एवियोनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर सिस्टम जैसी क्षमताएं हैं, जो इसे आधुनिक हवाई युद्ध के लिए सक्षम बनाती हैं।

MRFA परियोजना क्या है?

भारत की MRFA (Multi-Role Fighter Aircraft) परियोजना का उद्देश्य भारतीय वायुसेना के पुराने हो चुके मिग-21, मिग-27 और मिराज-2000 जैसे विमानों की जगह लेना है। इस परियोजना के अंतर्गत भारत 114 मल्टीरोल फाइटर जेट्स खरीदने जा रहा है, जिसमें से अधिकांश 'मेक इन इंडिया' मॉडल के तहत भारत में ही असेंबल या निर्मित किए जाएंगे।

MRFA के प्रमुख दावेदार:

Dassault Rafale (फ्रांस)

F-15EX और F-21 (USA)

Eurofighter Typhoon (UK-Germany-Italy-Spain)

SAAB Gripen (स्वीडन)

Sukhoi Su-35 और Su-57 (रूस)

KF-21 Boramae (दक्षिण कोरिया) – नया लेकिन उभरता विकल्प

भारत के लिए KF-21 क्यों आकर्षक विकल्प है?

दक्षिण कोरिया का KF-21 अभी तक वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसकी लागत और तकनीकी क्षमताएं भारत के लिए इसे एक संतुलित और दीर्घकालिक रणनीतिक विकल्प बनाती हैं।

कम लागत, उच्च प्रदर्शन

KF-21 की प्रति यूनिट अनुमानित कीमत लगभग 65 मिलियन डॉलर है, जो राफेल, F-15EX या टायफून जैसे विमानों की तुलना में बहुत कम है। यानी भारत कम लागत में ज्यादा संख्या में विमान प्राप्त कर सकता है।

स्टील्थ फीचर्स और मॉड्यूलर डिज़ाइन

KF-21 की डिज़ाइन में फिफ्थ जनरेशन के कई फीचर्स हैं जैसे—

लो ऑब्ज़र्वेबिलिटी

इंटरनल वेपन बे (बाद के वर्जन में)

AESA रडार

डेटा लिंक और नेटवॉर्कर्ड वॉरफेयर

साझेदारी का अवसर

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पहले से ही रक्षा सहयोग मौजूद है। यदि भारत KF-21 में रुचि दिखाता है, तो KAI के साथ भारत की HAL जैसी कंपनियों की साझेदारी को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन के स्तर पर आगे बढ़ सकती है।

टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की संभावनाएं

राफेल या अमेरिका के विकल्पों की तुलना में दक्षिण कोरिया तकनीकी हस्तांतरण (ToT) के मामले में अधिक लचीलापन दिखा सकता है। भारत अपने निजी एयरोस्पेस सेक्टर के लिए इसका भरपूर फायदा उठा सकता है।

वर्तमान स्थिति: क्या चल रहा है?

साउथ कोरिया ने 2022 में KF-21 का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया और 2026 से इसके सीरियल प्रोडक्शन शुरू होने की योजना है। यह विमान इंडोनेशिया के सहयोग से विकसित हो रहा है, और आने वाले वर्षों में साउथईस्ट एशिया, मिडल ईस्ट और लैटिन अमेरिका के कई देश इसमें रुचि दिखा सकते हैं। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, भारत फिलहाल इस फाइटर को लेकर "ओब्ज़र्वेशन एंड एनालिसिस स्टेज" में है। यानी इसके प्रदर्शन, लागत, उत्पादन और साझेदारी जैसे सभी पहलुओं का गहराई से आकलन किया जा रहा है।

भारत के सामने चुनौतियां

विश्वसनीयता और परीक्षण की कमी

KF-21 अभी तक पूरी तरह से ऑपरेशनल विमान नहीं है। इसकी ट्रायल्स प्रक्रिया अभी जारी है, और जब तक यह पूर्ण रूप से सेवा में नहीं आता, तब तक भारत के लिए इसे प्राथमिकता देना एक जोखिम भरा निर्णय हो सकता है।

प्रतिस्पर्धा बहुत तेज है

राफेल पहले से भारत में परिचालन में है और उसकी स्वीकार्यता भारतीय वायुसेना में बढ़ चुकी है। अमेरिका अपने F-21 और F-15EX को भारत के लिए तैयार कर रहा है। ऐसे में KF-21 को इस दौड़ में स्थान बनाना चुनौतीपूर्ण है।

दीर्घकालिक डिलीवरी टाइम

यदि भारत इस विमान को चुने, तो इसका उत्पादन और डिलीवरी साल 2028 या उसके बाद ही संभव हो पाएगा। जबकि भारत को जल्द से जल्द नए विमान चाहिए।

रणनीतिक दृष्टिकोण: भारत-कोरिया रक्षा संबंध

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच पिछले कुछ वर्षों में रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग लगातार बढ़ रहा है। दोनों देश एशिया में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों को लेकर सतर्क हैं। ऐसे में KF-21 जैसी साझेदारी से दोनों देशों के हितों को बल मिल सकता है। भारत कोरियाई कंपनियों जैसे Hyundai-Rotem, KAI, LIG Nex1 आदि के साथ रक्षा साझेदारी में पहले से कार्यरत है।

सर सैयद अहमद ख़ान (1817–1898): मुस्लिम समाज को शिक्षा और सुधार की राह दिखाने वाला रहनुमा

-1857 की क्रांति में सर सैयद की भूमिका और दृष्टिकोण

भारतीय उपमहाद्वीप के इतिहास में कुछ व्यक्तित्व ऐसे हैं जिन्होंने न केवल अपनी क़ौम को बल्कि पूरी कौमियत, शिक्षा और समाज सुधार की नई दिशा दी। सर सैयद अहमद ख़ान ऐसे ही एक महान सुधारक, शिक्षाविद, चिंतक और समाज सेवक थे, जिन्होंने 19वीं सदी के उत्तरार्ध में भारत के मुस्लिम समाज को पिछड़ेपन और अज्ञानता के अंधकार से निकाल कर रोशनी की राह दिखाई। उन्होंने अपने जीवन का अधिकांश हिस्सा मुस्लिम समाज में आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और सामाजिक सुधार के प्रसार में लगा दिया।

प्रारंभिक जीवन

सर सैयद अहमद ख़ान का जन्म 17 अक्टूबर 1817 को दिल्ली में एक प्रतिष्ठित मुग़ल परिवार में हुआ था। उनका परिवार मुग़ल दरबार से जुड़ा हुआ था और उनकी परवरिश एक उच्च शिक्षित वातावरण में हुई। पिता मिर्ज़ा अहमद ख़ान धार्मिक प्रवृत्ति के थे और माँ अज़ीज़ुन्निसा बेगम एक समझदार और प्रभावशाली महिला थीं। सर सैयद की प्रारंभिक शिक्षा फारसी, अरबी, तर्कशास्त्र और इस्लामी विज्ञान में हुई, लेकिन उन्होंने अंग्रेज़ी और आधुनिक विषयों की ओर भी रुझान दिखाया।

1857 की क्रांति और सर सैयद की भूमिका

1857 की पहली स्वतंत्रता संग्राम को भारत का पहला बड़ा विद्रोह माना जाता है, जिसमें भारतीय सैनिकों, रियासतों और आम जनता ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया। सर सैयद ने इस विद्रोह के समय अंग्रेजों की सेवा में कार्यरत रहकर मुस्लिम समाज की रक्षा का प्रयास किया। उन्होंने इस विद्रोह की निंदा करते हुए यह समझा कि भारतीय मुसलमानों को बल से नहीं बल्कि शिक्षा और सुधार के ज़रिये अपने हालात सुधारने होंगे। उन्होंने "अस्बाब-ए-बग़ावत-ए-हिन्द" (The Causes of the Indian Revolt) नामक एक किताब लिखी जिसमें 1857 के विद्रोह के कारणों की विवेचना की। इस पुस्तक में उन्होंने ईमानदारी से लिखा कि भारतीय समाज में असंतोष बढ़ने का मुख्य कारण अंग्रेजों की नीतियाँ, धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप, प्रशासनिक भेदभाव और भारतीयों की उपेक्षा रही है।

ब्रिटिश शासन के प्रति दृष्टिकोण

विद्रोह के बाद सर सैयद का मानना था कि अब अंग्रेज़ों के साथ तालमेल और संवाद ज़रूरी है। उन्होंने यह समझा कि अंग्रेज़ों की नज़र में मुसलमान ही इस विद्रोह के मुख्य ज़िम्मेदार माने गए, जिससे उनका सामाजिक और राजनैतिक स्थान और भी घट गया। ऐसे में मुसलमानों को शिक्षा, रोजगार और प्रशासन में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अंग्रेजी भाषा और आधुनिक ज्ञान को अपनाना आवश्यक था।

मुस्लिम समाज में शिक्षा की आवश्यकता

सर सैयद ने महसूस किया कि मुस्लिम समाज पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में जकड़ा हुआ है और वह आधुनिक विज्ञान, गणित, समाजशास्त्र, कानून और अंग्रेजी भाषा से कोसों दूर है। इससे मुसलमान सरकारी नौकरियों और प्रशासनिक पदों में पिछड़ रहे थे। उन्होंने कहा: "ज्ञान के बिना कोई क़ौम तरक्की नहीं कर सकती।" उनका यह दृष्टिकोण उस समय के लिए क्रांतिकारी था क्योंकि ज़्यादातर मुस्लिम धार्मिक विद्या और पुराने तर्कशास्त्रों तक ही सीमित थे। वे मानते थे कि कुरआन और इस्लामी शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विज्ञान और टेक्नोलॉजी को भी सीखना अनिवार्य है।

अलीगढ़ आंदोलन की शुरुआत

सर सैयद ने 1864 में साइंटिफिक सोसाइटी की स्थापना की जिसका उद्देश्य था – अंग्रेज़ी किताबों का उर्दू में अनुवाद कर मुस्लिम समाज तक आधुनिक ज्ञान को पहुंचाना। इसके बाद उन्होंने एक पत्रिका शुरू की – "तहज़ीब-उल-अख़लाक़" – जो एक सामाजिक सुधार पत्रिका थी। इसके ज़रिये उन्होंने मुस्लिम समाज में महिलाओं की शिक्षा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, अंधविश्वास, रूढ़ियों आदि पर सवाल उठाए और सामाजिक सुधार का अभियान चलाया।

मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज की स्थापना

सन् 1875 में सर सैयद अहमद ख़ान ने उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ शहर में एक कॉलेज की स्थापना की जिसे नाम दिया गया – "मोहम्मडन एंग्लो-ओरिएंटल कॉलेज"। यह संस्था कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड के आदर्श पर आधारित थी, जिसमें धार्मिक शिक्षा के साथ-साथ अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, इतिहास और कानून की शिक्षा दी जाती थी। सर सैयद की दूरदृष्टि का परिणाम यह हुआ कि यही कॉलेज आगे चलकर 1920 में "अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (AMU)" बना। यह विश्वविद्यालय मुस्लिम समाज के लिए एक प्रेरणा केंद्र बना। यह सिर्फ शिक्षा का केंद्र नहीं था बल्कि वहां से एक नई सोच, विचारधारा और आत्मविश्वास का जन्म हुआ।

धर्म और आधुनिकता का संतुलन

सर सैयद अहमद ख़ान ने कभी इस्लाम धर्म से दूरी नहीं बनाई। वे गहरे धार्मिक व्यक्ति थे। उनका प्रयास था कि इस्लामी सिद्धांतों की मूल भावना को आधुनिक ज्ञान के साथ सामंजस्य में लाया जाए। उन्होंने कहा कि कुरआन कभी भी विज्ञान या आधुनिक ज्ञान का विरोध नहीं करता, बल्कि तर्क, सोच और इंसाफ़ की बात करता है। उन्होंने कुरआन की व्याख्या तर्कशास्त्र और आधुनिक विज्ञान के आधार पर करने की कोशिश की, जो उस समय के पारंपरिक मौलवियों को बहुत नागवार गुज़री। उन्हें 'काफ़िर' और 'मुनाफ़िक़' तक कहा गया, लेकिन उन्होंने इन आलोचनाओं की परवाह किए बगैर अपने मिशन को जारी रखा।

राजनीतिक सोच

सर सैयद राजनीति में सक्रिय नहीं थे लेकिन उन्होंने मुसलमानों को उस समय की राजनीति में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी। वे मानते थे कि बहुसंख्यक हिंदू समुदाय के मुकाबले मुस्लिम अल्पसंख्यक हैं, और ऐसे में मुसलमानों को अपनी पहचान, अधिकार और शिक्षा की रक्षा के लिए अलग सोच विकसित करनी होगी। उनकी इसी सोच को आगे चलकर 'मुस्लिम अलगाववाद' के बीज कह कर आलोचना भी की गई, परंतु वास्तविकता यह थी कि उनका मूल उद्देश्य मुस्लिम समाज को सशक्त बनाना था।

समाज सुधार में योगदान

सर सैयद अहमद ख़ान ने सिर्फ शिक्षा नहीं, बल्कि मुस्लिम समाज के व्यापक सुधार की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने:

महिलाओं की शिक्षा पर ज़ोर दिया

सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया

आधुनिक चिकित्सा, विज्ञान और तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा दिया

धार्मिक कट्टरता और अंधविश्वास का विरोध किया

संवाद, सहिष्णुता और मेल-जोल की वकालत की

आंगनबाड़ी बहनें नौनिहालों के भविष्य को बना रही मजबूत एवं स्वस्थ - भजनलाल शर्मा

- राखी के अवसर पर प्रदेश की बहनें रोडवेज बसों में कर सकेंगी दो दिन नि:शुल्क यात्रा
- प्रदेशभर में 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को राखी उपहार स्वरूप 501-501 रुपये किए डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र हमारे समाज में संस्कारों के केन्द्र हैं। शिशु की पहली गुरू माता होती है। दूसरी गुरू आंगनबाड़ी की माता-बहनें हैं। इस भूमिका में वे पोषण वितरण के साथ नौनिहालों को मजबूत और स्वस्थ करने का भी कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्त होगी तो ही देश एवं प्रदेश सशक्त बनेगा। हमारी सरकार महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देते हुए प्रदेश को सुरक्षित, विकसित और नारी सशक्तीकरण का एक रोल मॉडल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सुपोषित राजस्थान के लिए आंगनबाड़ी बहनों को पोषण की शपथ भी दिलवाई।

शर्मा मंगलवार को बिडला सभागार में मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-आंगनबाड़ी बहन सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी बहनें प्रदेश की महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके स्वास्थ्य और पोषण को सुनिश्चित करने एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने में अहम योगदान दे रही हैं। उन्होंने सभी बहनों को रक्षाबंधन की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महिलाएं 'नारी तू नारायणी' की भावना को साकार करते हुए बहन, पत्नी, माता, संरक्षक के रूप में बखूबी काम कर रही हैं। ग्रामीण तथा शहरी परिवेश में महिलाएं घर-परिवार को आगे बढ़ाती हैं।

मुख्यमंत्री ने बहनों की सुरक्षा-सम्मान का किया वादा-

समारोह में मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी एवं महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार सहित आंगनबाडी बहनों से राखी बंधवाई। शर्मा को महिलाओं ने तिलक लगाकर रक्षा सूत्र बांधा तथा नारियल भी भेंट किया। शर्मा ने भी राखी के उपहार स्वरूप प्रदेश की 1 लाख 21 हजार आंगनबाड़ी बहनों को डीबीटी के माध्यम से 501-501 रुपये की राशि हस्तांतरित की। आंगनबाड़ी बहनों को छाता एवं मिठाई भी उपहार स्वरुप भेंट किए गए। इस दौरान शर्मा ने कहा कि बहनों के द्वारा मेरी कलाई पर बांधी गई यह राखी मेरा सुरक्षा कवच है। मैं बहनों की सुरक्षा एवं सम्मान का वादा करता हूं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राखी के अवसर पर प्रदेश की बहनों के लिए रोडवेज बसों में दो दिन निःशुल्क यात्रा की घोषणा की।

डबल इंजन की सरकार के लिए सेवा, सुरक्षा और सशक्तीकरण सर्वप्रथम-

मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन की सरकार सेवा, सुरक्षा और सशक्तीकरण की सोच के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सहायिका एवं साथिन के मानदेय में वर्ष 2024 एवं 2025 में 10-10 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई। हमारी सरकार ने राज्य में एक हजार नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने, 2 हजार 365 मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र विकसित करने, आंगनबाडी केंद्रों पर मूलभूत सुविधा बढ़ाने, केंद्रों की मरम्मत के लिए 50 करोड़ रुपये स्वीकृत करने जैसे निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदेश के लगभग 40 लाख बच्चों और महिलाओं को माइक्रो न्यूट्रियंट फोर्टिफाइड पूरक पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। साथ ही, आंगनबाड़ी केंद्र पर आने वाले 3 से 6 वर्ष के बच्चों को सप्ताह में 5 दिवस गरम मीठा दूध उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना लागू की गई है।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण का लिखा जा रहा नया अध्याय-

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तीकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। भारत वर्तमान में दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है, जहां महिला राष्ट्राध्यक्ष हैं। साथ ही, नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संसद तथा विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। देशभर में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी 3 करोड़ महिलाएं इस योजना के तहत लखपति दीदी बनी हैं। प्रधानमंत्री के नारी सशक्तीकरण के प्रयासों में राजस्थान भी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रहा है।

राजस्थान को जल संकट से मुक्ति दिलाना मेरा संकल्प, ऐतिहासिक साबित होगा 'यमुना जल समझौता' - मदन राठौड़

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ द्वारा राज्यसभा में पूछे गए प्रश्न के जवाब में भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय ने यह स्पष्ट किया है कि 'यमुना जल पाइप लाइन परियोजना' को पुनर्जीवित करने की दिशा में ठोस और तेजी से कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं। यह परियोजना राजस्थान के जल-संकटग्रस्त जिलों — चूरू, सीकर, झुंझुनूं — सहित कई क्षेत्रों को राहत देने जा रही है, इससे न केवल जल संकट कम होगा, बल्कि पूरे क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास की एक नई धारा बहेगी। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने राज्यसभा में जानकारी दी कि राजस्थान और हरियाणा सरकारों के बीच इस परियोजना हेतु समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इसके तहत हथिनीकुंड बैराज से भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से यमुना जल राजस्थान के जिलों तक स्थानांतरित किया जाएगा। यह प्रस्तावित है कि जुलाई से अक्टूबर के बीच 577 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) जल इन क्षेत्रों तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने बताया कि परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए राजस्थान में एक परामर्शदाता की नियुक्ति की जा चुकी है और दोनों राज्यों द्वारा संयुक्त कार्यबल का गठन भी कर लिया गया है, ताकि परियोजना का क्रियान्वयन समयबद्ध और गुणवत्तायुक्त रूप से सुनिश्चित किया जा सके। सांसद मदन राठौड़ ने इस ऐतिहासिक प्रगति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और प्रदेश की डबल इंजन सरकार की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनकल्याणकारी दृष्टिकोण का प्रत्यक्ष परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि "यह परियोजना प्रधानमंत्री मोदी जी के 'सबका साथ, सबका विकास' के विजन का सशक्त उदाहरण है। राजस्थान की जनता के लिए यह एक नई उम्मीद की किरण है। यह सिर्फ एक पाइपलाइन नहीं, बल्कि राजस्थान को जल संकट से मुक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने राठौड़ ने कहा कि यह परियोजना न केवल 1994 के यमुना जल समझौते के तहत राजस्थान के हिस्से के जल को सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास है, बल्कि वर्षों से चली आ रही जल असमानता को दूर करने की दिशा में एक बड़ी पहल भी है। इससे लाखों लोगों को शुद्ध पेयजल मिलेगा, कृषि क्षेत्र को संबल मिलेगा, और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में जीवन गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार होगा। यह परियोजना आने वाले वर्षों में राजस्थान को जल आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

संगठन की मजबूती को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने डोटासरा से की मुलाकात

- पार्टी विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय जयपुर पर प्रदेश कांग्रेस सहकारिता विभाग के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संदीप यादव के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का आभार प्रकट किया तथा पार्टी की मजबूती के लिए प्रदेश भर में कार्य करने का विश्वास दिलाया तथा बेगू विधानसभा क्षेत्र के ब्लॉक अध्यक्ष मंडल मंडल अध्यक्ष कांग्रेस प्रत्याशी पूर्व विधायक राजेन्द्र बिधूड़ी के नेतृत्व में, पाली के कांग्रेस कार्यकर्ता लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती संगीता बेनीवाल के नेतृत्व में तथा राजसमंद लोकसभा क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ता कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी रहे दामोदर गुर्जर के नेतृत्व में प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा से मिले और उन्हें 5 वर्ष के सफल कार्यकाल पर बधाई देते हुए संगठन के कार्यों को तत्परता से करने का विश्वास दिलाया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सभी उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में जो शक्तियां शासन कर रही है वो लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखती हैं और संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की मजबूती देश में लोकतंत्र, प्रजातंत्र और संवैधानिक मूल्यों के रक्षा के लिए आवश्यक है इसलिए कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता को आमजन के बीच जाकर उनके सुख-दुख में भागीदारी निभानी होगी तथा भारतीय जनता पार्टी कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे जन विरोधी कृत्यों को उजागर करना होगा। उन्होंने कहा कि सभी कांग्रेस के कार्यकरता कमर कस कर पार्टी की विचारधारा को आम जन के बीच ले जाने काम करे और प्रदेश में होने वाले आगामी नगर निकाय व पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में कांग्रेस की विजय के लिए तन मन से कमर कस कर जुट जाएं।

भाजपा निकालेगी 'हर घर तिरंगा यात्रा', भाजपा कार्यकर्ता घर-घर फहराएंगे तिरंगा- अशोक परनामी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा इस बार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान चलाएगी। अभियान के तहत 10 से 14 अगस्त तक प्रदेशभर में मंडल स्तर पर भाजपा कार्यकर्ता तिरंगा यात्रा निकालेंगे। इस दौरान भाजपा के सभी मंडलों में पैदल मार्च निकालने के साथ युवा मोर्चा की ओर से बाइल रैली निकाली जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 से 15 अगस्त तक भाजपा कार्यकर्ता प्रत्येक घर, व्यावसायिक प्रतिष्ठान, सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगा फहरायेंगे। इसके साथ ही 15 अगस्त की शाम को भाजपा कार्यकर्ता द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को ससम्मान उतारा भी जाएगा।

भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं अभियान संयोजक अशोक परनामी ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता 12 से 14 अगस्त तक प्रदेश के सभी शहीद स्मारकों, शहीदों की प्रतिमाओं पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। इसके साथ ही युद्ध वीरों, शहीदों के परिजनों को भाजपा कार्यकर्ता सम्मानित भी करेंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य बटालियन के जवानों का भी सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही तिरंगा यात्रा में हमारे वीर शहीदों की तस्वीरें, हमारे सैन्य हथियारों की तस्वीरे हाथ में लेकर भारत माता के जयकारे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि अभियान को लेकर भाजपा की जिला, संभाग और प्रदेश स्तरीय टोली का गठन किया गया है। इस टोली की प्रदेश कार्यशाला 7 अगस्त को प्रदेश कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

अभियान संयोजक अशोक परनामी ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के साथ भारतीय जनता पार्टी 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस भी मनाएगी। आजादी से पूर्व पाकिस्तान से भारत लौट रहे हिन्दओं के साथ कत्लेआम, बलात्कार और हत्या जैसे वीभत्स दृश्यों को आज कोई भूल नहीं सकता। आज की युवा पीढ़ी को इन जघन्य अपराधों की जानकारी देने के लिए भाजपा विभीषिका दिवस मनाएगी। इस दिन भाजपा कार्यकर्ता मौन जुलूस निकालेंगे और मंडल एवं जिला स्तर पर संगोष्ठियां आयोजित कर युवाओं को पूर्व परिस्थितियों से अवगत करवाएंगे। प्रेसवार्ता में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, प्रदेश मंत्री भूपेंद्र सैनी और प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी पर्व एवं शोभायात्रा की व्यवस्था के दिये निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जन्माष्टमी पर्व का आयोजन जयपुर शहर के मन्दिर गोविन्ददेवजी सहित शहर के अन्य मन्दिरों में 16 अगस्त (शनिवार) को एवं शोभायात्रा का आयोजन 17 अगस्त (रविवार) को प्रातः से मध्यान्ह तक मन्दिर गोविन्ददेवजी में नन्दोत्सव एवं इसी दिन सांयकाल 4 बजे से श्रीजी की भव्य यात्रा का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार गणेश चतुर्थी पर्व पर शहर के मोती डूंगरी गणेश मंदिर, ब्रह्मपुरी स्थित गढगणेश मंदिर एवं नहर के गणेश मंदिर पर 26, 27 एवं 28 अगस्त को आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

जिला कलक्टर ने जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी पर्व एवं शोभायात्रा के आयोजन हेतु उक्त मंदिरों के आस-पास के क्षेत्रों में समुचित साफ-सफाई, प्रकाश की व्यवस्था, बेसहारा पशुओं पर नियंत्रण पर्व से तीन-चार दिन पूर्व करने तथा परकोटे के प्रवेश द्वारों पर सजावटी रोशनी कराने के साथ-साथ मंदिरों के आस-पास मोबाइल टोइलेट्स की व्यवस्था के निर्देश नगर निगम के अधिकारियों को दिए हैं। इसके साथ-साथ उन्होने यातायात की माकूल व्यवस्था करने के निर्देश भी यातायात विभाग के अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी पर्व के अवसर पर अत्यधिक भीड़ के कारण मोबाइल कनेक्टिविटि कम होने की सम्भावना को देखते हुए बीएसएनएल के डीजीएम (शहर) को मोबाइल कनेक्टिविटि के लिए नई व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं ताकि श्रदालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जिला कलक्टर ने पर्वो और शोभायात्रा को देखते हुए विद्त की माकूल व्यवस्था करने के साथ-साथ बरसात के कारण ट्रांसफार्मो व विद्त लाइन के आस-पास पेड़ पौधो की कटाई-छटाई करवाने के निर्देश विद्त विभाग के अधिकारियों को दिए है ताकि किसी प्रकार जनहानि न हो। उन्होने इसके साथ-साथ जेडीए एवं नगर निगम के अधिकारियों को बरसात के कारण मंदिरो व शोभा यात्रा मार्गो पर गढडो को समय रहते भरवाने के निर्देश दिए हैं ताकि श्रदालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अतिरिक्त उन्होने कण्ट्रोल रूम बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

इस दौरान उन्होने नगर निगम आयुक्त हैरिटेज एवं ग्रेटर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (प्रथम) एवं (द्वितीय) को, पुलिस उपायुक्त जयपुर-उत्तर एवं यातायात, महाप्रबंधक भारत संचार निगम लि0, विद्त वितरण निगम व जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियंता, पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों व मंदिर प्रशासन से समन्वय रखते हुये शोभायात्रा मार्ग में समुचित व्यवस्था करने, नागरिक सुरक्षा को इस दौरान संबंधित विभागों से समन्वय रखते हुये अग्निशमन, एम्बूलेंस व्यवस्था, पर्यवेक्षण करने व कलक्ट्रेट में कन्ट्रोल रूम में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं। अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट शहर (दक्षिण) जयपुर सभी संबंधित विभागों से समन्वय रखते हुये आवश्यक प्रशासनिक व्यवस्था समय पर कराये जाना सुनिश्चित करेगें।

अमृत भारत स्टेशन के अंतर्गत पाली मारवाड़ रेलवे स्टेशन का होगा काया कल्प

-96 करोड़ रुपए की लागत से होगा स्टेशन का पुनर्विकास

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान का पाली अपने समृद्ध इतिहास, जैन मंदिरों और व्यापार केंद्र के रूप में जाना जाता है। यह अपनी कपड़ा और तेल मिलों, कपास की छपाई और रंगाई तथा हाथीदांत व चंदन की लकड़ी की वस्तुओं जैसे हस्तशिल्प के लिए भी जाना जाता है। पाली मारवाड़ स्टेशन पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए 96 करोड रुपए के लागत से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्य किया जा रहा है जिसमें स्थानीय कला, हेरिटेज और आधुनिकता का समावेश किया जा रहा है।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी की शशि किरण के अनुसार जोधपुर और जैसलमेर स्टेशनों के बाद पाली मारवाड़ जोधपुर मंडल का ऐसा तीसरा बड़ा स्टेशन होगा जिसका नए सिरे से पुनर्विकास कराया जा रहा है। पुनर्विकसित स्टेशन में नए स्टेशन भवन और एग्जीक्यूटिव लाउंज,लिफ्ट, एस्केलेटर जैसी आधुनिक सुविधाओं सहित सर्कुलेटिंग एरिया का विकास तथा पार्किंग सुविधा का विस्तार भी होगा।

महाप्रबंधक अमिताभ के निर्देशानुसार पाली मारवाड़ स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों के लिए शीघ्र टेंडर कर कार्य प्रारंभ किया जाएगा। पुनर्विकास कार्यों के अंतर्गत स्टेशन की नई बिल्डिंग में वेटिंग हॉल, एटीएम मशीन, शॉपिंग कॉमप्लेक्स, एग्जीक्यूटिव लॉन्ज, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, 12 फीट चौड़ाई के फुट ओवर ब्रिज जैसी सुविधाओं का प्रावधान रखा जाएगा। सर्कुलेटिंग एरिया के सिरे का विकास होगा जिसमें चार पहिया में दो पहिया वाहनों की अलग-अलग पार्किंग व्यवस्था होगी। चार लिफ्ट व चार एस्केलेटर की स्थापना से यात्रियों, विशेषकर दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों को एक से दूसरे प्लेटफार्म पर आने-जाने में सुविधा होगी। स्टेशन पर यात्रियों के प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनेंगे। स्टेशन के प्लेटफार्म की सतह और लंबाई बढ़ेगी तथा यात्री सुविधा के लिए कवरिंग शेड की भी लंबाई बढ़ाई जाएगी।

आयुक्त ने विद्याधर नगर जोन की सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

-जोन OIC ने किया शहर की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ॰ गौरव सैनी के निर्देशानुसार मंगलवार को सभी जोन OIC ने आवंटित जोन में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने विद्याधर नगर जोन की सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान विद्याधर नगर जोन उपायुक्त, सीएसआई, एसआई मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान सभी जोन OIC ने सफाई कर्मचारियों की हाज़िरी, ओपन कचरा डिपो की स्थिति, जलभराव संबंधी स्थानों, दुकानों के बाहर हरे व नीले रंग के डस्टबिन की स्थिति, अवैध होर्डिंग, बैनर, पोस्टर, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सीएनडी वेस्ट आदि का औचक निरीक्षण किया तथा कमियाँ पाई जाने पर तत्काल रूप से उन्हें सुधारने के निर्देश दिये।

अशोक शर्मा उपायुक्त ने मानसरोवर जोन के वार्ड नं. 66 में, उपायुक्त रेखा मीणा ने जगतपुरा जोन के वार्ड नं. 105, उपायुक्त करणी सिंह ने विद्याधर नगर जोन के वार्ड नं. 22, उपायुक्त मुकुट सिंह ने मुरलीपुरा जोन के वार्ड नं. 2, अधीक्षण अभियन्ता अतुल शर्मा सांगानेर जोन के वार्ड नं. 87, उपायुक्त श्याम लाल जांगिड ने झोटवाड़ा जोन के वार्ड नं. 44, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया ने मालवीय नगर जोन के वार्ड नं. 126 का निरीक्षण किया।

इन अधिकारियों को दी गई है जोन OIC की जिम्मेदारी

उपायुक्त अशोक शर्मा मानसरोवर जोन, उपायुक्त श्रीमती रेखा मीना, जगतपुरा जोन, उपायुक्त करणी सिंह विधाधर नगर जोन, उपायुक्त मुकुट सिंह मुरलीपुरा जोन, अतुल शर्मा अधीक्षण अभियन्ता गैराज सांगानेर जोन, उपायुक्त श्यामलाल जांगिड़ झोटवाड़ा जोन, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया मालवीय नगर जोन का OIC नियुक्त किया गया है सफाई व्यवस्था के सुव्यवस्थित एवं सफल संचालन हेतु जोन OIC की जिम्मेदारी दी गई है।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की बड़ी कार्रवाई

-7 हजार 500 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 2 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये 200 फीट बाईपास, निर्माण नगर, सिवार मोड, बिंदायका, सिरसी रोड आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 7 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 2 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर कार्यवाही करते हुये 200 फीट बाईपास, निर्माण नगर, सिवार मोड, बिंदायका, सिरसी रोड आदि स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 2 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 7 हजार 500 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

देशवाली शेख बिरादरी युवा इंतेजामिया विकास समिति की बैठक सम्पन्न

मोहम्मद यासीन

पाली, (रॉयल पत्रिका) । लाठी जोड़ दरगाह पर देशवाली शेख बिरादरी युवा इंतजामिया विकास समिति की चौथी बैठक सदर हाजी मोहम्मद सत्तार साहब की सदारत में हुई जिसमें सरकार की योजनाओ के अनुरूप वृक्षारोपण का कार्य किया गया जिसमे सभी मेम्बरान ने छायादार एवं फलदार पौधो को लगा कर उसको गोद लिया तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ कर सर्वप्रथम इस समिति के फाउण्डर मेम्बर मास्टर अल्लारख खां देसूरी जो अभी अस्वस्थ हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की दुआ की गई। उसके बाद जनाब हबीब शेख द्वारा कमेटीं के पदाधिकरियो का परिचय नये मेम्बरो से कराया गया। डॉ. मोहम्मद ईकबाल ने उपस्थित सभी मेम्बरान की सर्वसम्मति से प्रतिभा सम्मान समारोह दिनाँक 21/09/2025 स्थान विजयराजे सिंधिया टाऊन हॉल सुमेरपुर में करने की घोषणा की गई। जनरल सेक्रेटरी बरकत अली द्वारा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के आवेदन की अंतिम तिथि दिनाँक 31/08/2025 की घोषणा की गई। सेवा निवृत कोषाधिकारी ने महिलाओ की भागीदारी उनकी भूमिका एवं दायित्वो को विस्तार से समझाया गया। अधिवक्ता मोहम्मद सफी ने पूर्व की राव (भाट) प्रथा को पुनः सुचारू करने एवं उसके महत्व के बारे में विशेष जानकारी दी, ईस सम्बन्ध में अभि हाल ही में सदर हाजी सत्तार संगठन मंत्री हबीब शेख जनलर सेक्रेटरी बरकत अली प्रचार मंत्री नियाज मोहम्मद कोषाध्यक्ष मोहम्मद ईशाक साबरी मिडिया प्रभारी मोहम्मद रमजान प्रिन्स प्रवक्ता अनवर खां मोहम्मद सद्दीक फालना असकर खांजी केनपुरा मोहम्मद सलीम सुमेरपुर हुसैन खांजी रानी अल्ताफ खांन फालना का प्रतिनिधि मंण्डल जिन्होंने सुराणा गाँव जाकर रावजी को वहाँ बुला कर अपने क्षेत्र के नामो की तस्दीक कर आये थे उन्होंने अपनी रिपार्ट से बिरादरान को अवगत कराया जिसका उपस्थित मेम्बरो ने ध्वनिमत से अपना समर्थन दिया। पूर्व सदर लाल खांजी के परिवार की तरफ से सम्पूर्ण कार्यक्रम की स्मारिका छपवा कर समाज में वितरण की घोषणा की गई। समारोह हेतू पत्रिका छपवाने एवं उसमे भामाशाहो की जगह निर्धाण की चर्चा की गई, तत्पश्चात एजेन्डे को आगे बढ़ाते हुए कमेटियो का गठन किया गया जिसमे पुरुस्कार वितरण समिति का संयोजक मुबारक अली देसूरी को बनाया गया, बैठक व्यवस्था के लिए मोहम्मद अली रानी को संयोजक बनाया, रजिस्ट्रेशन समिति हेतू मोहम्मद आसीफ सुमेरपुर को संयोजक बनाया, स्टेज व्यवस्था हेतू मास्टर चिराग मोहम्मद को संयोजक बनाया, भोजन व अल्पाहार व्यवस्था के लिए अय्युब खांन शिवगंज को संयोजक बनाया जिन्होंने अपनी अपनी कमेंटी की टीम मे अन्य नामो की सम्मलित किया। सम्मेलन की पारदर्शिता हेतू एक कमेटी बनाई जिसमें हाजी मोहम्मद ईशाक साबरी, सेवा निवृत कोषाधिकारी मोहम्मद सद्दीक फालना, मुबारक अली देसूरी, मेहबूब खांजी कवराड़ा, मोहम्मद हुसैन खुडाला ये सम्मेलन के बाद सम्पूर्ण आय एवं व्यय का ब्यौरा इंतजामिया समिति को देंगे जिसे सभी मेम्बरो एवं भामाशाहो को बता दिया जायगा। इस दौरान चीप कोर्डिनेटर डा. मोहम्मद ईकबाल ने सभी दस पट्टी से आये हुए कोर्डिनेटर सुल्तान खां सायला, डॉ. शकूर खां सिणधरी, जब्बार खां जादरी ईटादा, मुमताज खांन गुड़ा बालोतान, मोहम्मद सफी भाटी मारवाड़ जंक्शन, अनवर खांन तखतगढ़, तालिब हुसैन देसूरी, मोहम्मद हुसैन फालना एव अन्य सभी को अलग से मिटिंग कर ऑन लाइन आवेदन प्रक्रिया को तकनीकी कारण से बन्द कर ऑफ लाईन रजिस्ट्रेशन सभी कार्डिनेटर द्वारा सत्यापित करके ही स्वीकार करने का निर्णय लिया गया व अन्य शंका समाधान कर आगे की कार्यवाही हेतू जरूरी दिशा निर्देश दिये गये।

महिला जिला अध्यक्ष वंदना यादव ने महिलाओं को आगे आने को कहा

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। महिला जिला अध्यक्ष यादव ने अब महिलाओं को प्रेरित करने के लिए पंचायती स्तर पर पहुंचकर घिनोई एवं कानपुरा महिलाओं से जाकर मिली चौमूं तहसील के ग्राम कानपुरा एवं घिनोई में महिला जिला अध्यक्ष वंदना यादव ने अपने लक्ष्य बनाकर कार्यकारिणी में जोड़ने के लिए महिलाओं से जाकर रू-ब-रू होकर महिलाओं को आगे आने के लिए समझाइए की। अध्यक्ष यादव ने बताया महिलाओं को घर के कार्यों में व्यस्त होने के कारण भी समाज के लिए आगे बढ़ रही है। ऐसे में ग्राम कनरपुरा से महिला कोली देवी , काली देवी, संतोष यादव, पूजा यादव सहितो ने तथा घिनोई में महिला मांगी यादव, माली देवी, मीरा देवी, अनीता यादव, ममता यादव, अध्यक्ष यादव ने समझाया कि आपको घर का काम करके भी समाज के लिए आगे बढ़ाना है। इस मौके पर यादव समाज जिला के उपाध्यक्ष बंशीधर मंडल, हाडौता से कमल किशोर यादव, महेंद्र, शंकर, छीतरमल, व रामकिशोर घलढवाल, कैलाश चांद जितेंद्र फूलचंद कृष्ण अर्जुन दिनेश सहित कई महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

उमराह के पाक सफर पर रवाना हुए शोएब अंसारी किया इस्तकबाल

बारां, (रॉयल पत्रिका)। उमराह के पाक व मुकद्दस सफर पर रवाना होने के मौके पर युवा शोएब अंसारी का दोस्तों और चाहने वालों ने गर्मजोशी से माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल कर मुबारकबाद पेश की। ओर सभी के हक में अल्लाह से दुआ करने की इल्तिज़ा की। इस मौके पर शोएब अख्तर, सलमान अंसारी, आशु अंसारी, गुफरान अंसारी, मोहम्मद शादाब, राहीद अंसारी आदि मौजूद रहे।

गीतांजली ऑडिटोरियम में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

-यमराज का किरदार बना आकर्षण बच्चों को हंसी-हंसी में दिया गंभीर संदेश

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आज भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे गीतांजली हॉस्पिटल के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में गणेश वंदना के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराज कुंवरानी निवृत्ति कुमारी जी मेवाड़ रही| साथ ही बॉलीवुड मर्डरबाद फिल्म के हीरो नकुल रोशन साहदेव, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एकार्थ पुरोहित, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञानदेव विश्वकर्मा, जिला परिवहन अधिकारी नितिन बोहरा, आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के सीईओ नारायण चौधरी, निदेशक प्रीती पामेचा, रॉकवुड्स चेयरपर्सन अलका शर्मा, डायरेक्टर दीपक शर्मा, सीपीएस प्रिंसिपल पूनम राठौर और गीतांजली हॉस्पिटल के डीजीएम मार्केटिंग कल्पेश चंद रजबार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की एंकरिंग आर्यन द्वारा की गयी| शहर के विभिन्न स्कूलों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सड़क सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक, मोबाइल सेफ्टी पर प्रस्तुतियां, डांस और गीतों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण यमराज की प्रस्तुति रही, जिन्होंने हास्य-व्यंग्य के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के महत्व को सरल भाषा में समझाया। कार्यक्रम के दौरान गीतांजली हॉस्पिटल के लैब डायरेक्टर डॉ. आशीष शर्मा ने ट्रॉमा के प्राथमिक उपचार और 'गोल्डन ऑवर' की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी और गीतांजली हॉस्पिटल में उपलब्ध 24x7 ट्रामा सुविधाओं से अवगत करवाया साथ ही उपस्तिथ सभी बच्चों को 112 इमरजेंसी नंबर रटाया| कार्यक्रम में गुड समेरिटन अवॉर्ड्स के माध्यम से उन जागरूक नागरिकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता कर मानवता का परिचय दिया। साथ ही, विभिन्न स्कूलों को उनकी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के लिए भी सम्मानित किया गया।

मालीराम यादव तहसील उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किए

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर जिला देहात यादव महासभा के जिला अध्यक्ष डॉ.जगदीश खातोदिया के निर्देशानुसार जालसू तहसील अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने कार्यकारणी का विस्तार करते हुए मालीराम यादव दुर्गा का बास को जालसू तहसील उपाध्यक्ष पद पर मनोनित किया। मालीराम यादव को इस अवसर पर यादव समाज के बंधुओ ने माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया।

कलश यात्रा एवं मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का होगा आयोजन

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। करणसर के समीपवर्ती ग्राम डूंगरी- खुर्द में मंगलवार को सुबह कलश यात्रा बालाजी के मंदिर से प्रारंभ होकर खटीक मोहल्ले स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी इसके बाद एक दिवसीय हवन कार्यक्रम होगा और बुधवार को भगवान शिव परिवार और भगवान हनुमान की मूर्तियों की विधि -विधान पूजा - अर्चना के स्थापना एवं मंत्रोच्चार के साथ प्राण- प्रतिष्ठा की जाएगी। इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत हस्तेडा के ग्राम नोपुरा के स्थित देवनगरी बम आश्रम के संत 1008 बम महाराज के मुख्य सानिध्य में आयोजित होगा। इस मौके पर भगवान चौहान ने बताया कार्यकम की समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। इस अवसर पर शंकर लाल चौहान, भागचंद बाल चंद, रामगोपाल, कैलाश चंद, निशांत, मनोहर लाल, लाल चंद, भंवर लाल, नेमीचंद, श्रवण रामेश्वर चौहान, देवाराम सामरिया, सूरज मल सामरिया उपस्थित रहे।

गीतांजली ऑडिटोरियम में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

-यमराज का किरदार बना आकर्षण बच्चों को हंसी-हंसी में दिया गंभीर संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली हॉस्पिटल, राजस्थान परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग तथा आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का मंगलवार को भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रातः 10:00 बजे गीतांजली हॉस्पिटल के स्व. नर्मदा देवी अग्रवाल ऑडिटोरियम में गणेश वंदना के साथ आरंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महाराज कुंवरानी निवृत्ति कुमारी जी मेवाड़ रही। साथ ही बॉलीवुड मर्डरबाद फिल्म के हीरो नकुल रोशन साहदेव, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एकार्थ पुरोहित, प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ज्ञानदेव विश्वकर्मा, जिला परिवहन अधिकारी नितिन बोहरा, आधार फाउंडेशन ट्रस्ट के सीईओ नारायण चौधरी, निदेशक प्रीती पामेचा, रॉकवुड्स चेयरपर्सन श्रीमती अलका शर्मा, डायरेक्टर दीपक शर्मा, सीपीएस प्रिंसिपल श्रीमती पूनम राठौर और गीतांजली हॉस्पिटल के डीजीएम मार्केटिंग कल्पेश चंद रजबार की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की एंकरिंग आर्यन द्वारा की गयी| शहर के विभिन्न स्कूलों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। सड़क सुरक्षा पर आधारित नुक्कड़ नाटक, मोबाइल सेफ्टी पर प्रस्तुतियां, डांस और गीतों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया। कार्यक्रम में विशेष आकर्षण यमराज की प्रस्तुति रही, जिन्होंने हास्य-व्यंग्य के माध्यम से बच्चों और युवाओं को सड़क सुरक्षा के महत्व को सरल भाषा में समझाया।

कार्यक्रम के दौरान गीतांजली हॉस्पिटल के लैब डायरेक्टर डॉ. आशीष शर्मा ने ट्रॉमा के प्राथमिक उपचार और 'गोल्डन ऑवर' की महत्ता पर विस्तृत जानकारी दी और गीतांजली हॉस्पिटल में उपलब्ध 24x7 ट्रामा सुविधाओं से अवगत करवाया साथ ही उपस्तिथ सभी बच्चों को 112 इमरजेंसी नंबर रटाया|

कार्यक्रम में गुड समेरिटन अवॉर्ड्स के माध्यम से उन जागरूक नागरिकों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की सहायता कर मानवता का परिचय दिया। साथ ही, विभिन्न स्कूलों को उनकी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के लिए भी सम्मानित किया गया।

जीएनआरएफ की ओर से जोधपुर में किया गया पौधारोपण

-"पौधा लगाना है दरख़्त बनाना है" अभियान की हुई शुरुआत

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। दावते इस्लामी इंडिया के कल्याण विभाग गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन (जीएनआरएफ) की ओर से हर साल की तरह इस साल भी पौधारोपण अभियान "पौधा लगाना है, दरख़्त बनाना है" के तहत देशभर में कई जगह पौधे लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जोधपुर शहर में भारत सरकार के उपक्रम एनसीवीटी परिसर में पौधारोपण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने के साथ-साथ समाज में पौधारोपण के प्रति जागरूकता फैलाना है। पौधे लगेंगे, पेड़ बनेंगे तब ही तो भावी पीढी स्वस्थ और सुरक्षित रहेगी जीएनआरएफ जोधपुर जिले के अधिकारी गुलाम यासीन, मौलाना शेर मोहम्मद अशफ़ाक, हाजी मोहम्मद शरीफ, असलम एडवोकेट और साजिद खान की निगरानी में कार्यक्रम संपन्न हुआ। जीएनआरएफ एक सामाजिक कल्याणकारी संस्था है जो पूर्व में भी सामाजिक, शैक्षिक और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाती रही है तथा बाढ़ पीड़ितों और आपातकालीन स्थितियों में हजारों लोगों को राहत पहुंचा चुकी है।

मानव अधिकारों की रक्षा के लिए सोपा ज्ञापन

-एसडीएम चौमूं ने सोपा उप मुख्यमंत्री को ज्ञापन

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में महिला अधिकारों की सुरक्षा एवं सम्मान तथा महिलाओं के विरुद्ध अपराध करने वाली घटना तिजारा खैरथल जिले की ग्राम पंचायत बामन ठेड़ी में मांजरा पीपली गांव में दो पुलिस कर्मियों द्वारा बुजुर्ग महिला जिसकी उम्र 55 वर्ष लाठियां से पीट कर जबरन मोटरसाइकिल पर बैठा ले जाने के संदर्भ में राज्य में महिलाओं के सम्मान की सुरक्षा के लिए आवश्यक कानूनी कदम उठाने के लिए एवं इसकी जिम्मेदारी निश्चित करने के लिए व दोषियों को सजा देने के लिए एवं महिला आयोग के कार्य वह राज्य सरकार की उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के लिए ज्ञापन दिया गया ज्ञापन में एडवोकेट सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ इंडिया कृष्ण सिंह जादौन एडवोकेट नाथूलाल बेनीवाल, ओम प्रकाश यादव, शायर सिंह , रामलाल सैनी मुरलीधर डॉक्टर नानूराम उपस्थित क्षेत्रीय सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता एवं क्षेत्र के विद्वान अधिवक्ता क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे

रक्षाबंधन पर्व को लेकर आंगनबाड़ी बहनों को मुख्यमंत्री का तोहफा

-रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि बहनों के आत्मसम्मान और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का हैं प्रतीक - सीएम

नागौर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के बिरला ऑडिटोरियम में मंगलवार को आयोजित 'मुख्यमंत्री संग रक्षाबंधन-आंगनबाड़ी बहनों का सम्मान' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन के अवसर पर राज्य की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया। उन्होंने घोषणा की कि 9 और 10 अगस्त को राजस्थान रोडवेज की साधारण और एक्सप्रेस बसों में महिलाएं निःशुल्क यात्रा कर सकेंगी। यह सुविधा राजस्थान की सीमा के भीतर लागू होगी और 10 अगस्त की रात 11:59 बजे तक उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि रक्षाबंधन केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि बहनों के आत्मसम्मान और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हर बहन का मन करता है कि वह अपने भाई के घर जाए और राखी बांधे। इस भावना को सम्मान देते हुए सरकार ने रोडवेज बसों में दो दिन की मुफ्त यात्रा का फैसला किया है। इस सुविधा का लाभ साधारण और एक्सप्रेस बसों में मिलेगा, लेकिन वातानुकूलित, वोल्वो और अखिल भारतीय अनुज्ञा पत्र वाली बसें इससे बाहर रहेंगी। इस योजना का खर्च राजस्थान सरकार वहन करेगी, जिसका पुनर्भरण राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम को किया जाएगा।

कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार और प्रदेशभर से वर्चुअल रूप से जुड़ीं 1.21 लाख आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। ऑडिटोरियम में मौजूद 1200 आंगनबाड़ी बहनों ने मुख्यमंत्री को राखी बांधी। दीया कुमारी और डॉ. मंजू बाघमार ने भी सीएम को राखी बांधकर इस भावपूर्ण पल को और यादगार बनाया।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की प्रशंसा की :-

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को 'मां' की तरह समाज की सेवा करने वाली बहनें बताते हुए उनकी प्रशंसा की। सीएम ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं गांवों में बच्चों, गर्भवती महिलाओं और किशोरियों के पोषण और शिक्षा के लिए अथक मेहनत करती हैं। उन्होंने कहा कि वे सुबह खेतों में काम करती हैं, घर संभालती हैं और फिर सामाजिक सेवा में जुट जाती हैं। उनकी मेहनत को सम्मान देने के लिए सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में 10% की वृद्धि की है, जिससे 1.35 लाख महिलाओं को लाभ होगा।

सीएम भजनलाल को बताया बड़ा भाई:-

वहीं, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर आंगनबाड़ी बहनों के साथ इतना आत्मीय आयोजन किया है। उन्होंने सीएम भजनलाल शर्मा को अपना बड़ा भाई बताते हुए कहा कि मुझे गर्व है कि हमारे मुख्यमंत्री सभी बहनों का आशीर्वाद लेने और राखी बंधवाने आए हैं। दीया कुमारी ने यह भी बताया कि केंद्र और राज्य सरकारें महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर काम कर रही हैं। हाल ही के बजट में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में दो साल में 10% की बढ़ोतरी इसका प्रमाण है।

जिला स्तरीय कार्यक्रम में बांटी छतरी और मिठाई:-

जिला मुख्यालय पर टाउन हॉल में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें जिले की 1575 आंगनवाड़ी केन्द्रों की कुल 3150 आशा सहयोगिनी बहनों को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन के अवसर को लेकर 501 रुपए का सगुन सीधे खाते में ट्रांसफर किया। साथ ही जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित व पूर्व विधायक मोहनराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में इन बहनों को बारिश से बचने के लिए छाता व मिठाई का डिब्बा पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया गया।

घाणेराव में हुआ पश्चिमालाप कार्यक्रम का आयोजन लोक संस्कृति की झलक

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पाली जिले के घाणेराव ग्राम में आयोजित यात्रा पश्चिमालाप कार्यक्रम में लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली लोक कलाओं से सजे इस आयोजन में पारंपरिक गीत, नृत्य और वाद्य यंत्रों की गूंज ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशन में पाली जिले के सात ब्लॉकों में हो रहा है, जिसका समन्वय पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर एवं तात्त्वबोध संस्थान द्वारा किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ देसूरी उपखण्ड अधिकारी सिद्धार्थ सान्द व विकास अधिकारी समीक्षा वर्मा ग्राम पंचायत प्रशासक चंदशेखर मेवाड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंच पर राजस्थान के भवाई नृत्य, महाराष्ट्र की लावणी, गोवा का सैमई नृत्य, गुजरात का सिद्दी नृत्य, डायरा गायन एवं डांडिया रास जैसी प्रस्तुतियों ने समां बाँधा। रंग-बिरंगी पोशाकों में सजे कलाकारों ने अपनी प्रतिभा से लोकसंस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से लोककलाकारों ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ प्रदर्शन कर लोकविरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। कलाकारों की प्रस्तुति को देख दर्शकों ने बार-बार तालियों से स्वागत किया।आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में लोक संस्कृति की पहचान को संरक्षित करना एवं युवाओं को अपनी परंपराओं से जोड़ना रहा। स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों में आयोजन को लेकर उत्साह देखा गया।

सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह के लिए जगह-जगह जनसंपर्क किया जा रहा

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। सर्व ब्राह्मण महासभा जयपुर देहात के तत्वाधान में 31 अगस्त 2025 को स्थान लवय स्कूल प्रांगण में उदयपुरिया हरमाड़ा मैं आयोजित होने वाले सर्व ब्राह्मण समाज प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 के लिए संस्था के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा के सानिध्य में महासभा के पदाधिकारी एवं समाज बंधुओ ने दौलतपुरा, बगवाड़ा, चौप, बिलोची, सहित गांव में जाकर समाज के बंधुओ को इस कार्यक्रम में आने के लिए जनसंपर्क कर समारोह के लिए आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा ने कहा कि समाज बंधुओ की गरिमामय उपस्थिति में समाज के मंच पर सम्मान होने से प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन वह हौसला बढ़ता है। और अन्य विद्यार्थीयों मैं प्रेरणा मिलती है इसलिए सामाजिक कार्यक्रमों में समाज बंधुओ की की अधिक से अधिक भागीदारी जरूरी है जिला कोषाध्यक्ष गजानन शर्मा ने बताया समारोह के लिए 15 अगस्त तक आवेदन किया जा सकता है।

अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के नवनियुक्त सदर का पंचायत श्योपुरियांन अंसारी कमेटी ने किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। रविवार को सम्पन्न हुए अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के सदर के चुनाव में पूरे जिले के मुसलमानों ने एक राय होकर अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी के जनरल सेकेट्री आबिद हुसैन अंसारी को तीन साल की नई मीकात के लिए अंजुमन इत्तेहाद-ए-बाहमी का सदर चुना गया। पंचायत श्योपुरियांन अंसारी के खजांची अखलाक अंसारी ने बताया कि मंगलवार को शहर के मुस्लिम समाज की सबसे बड़ी बिरादरी पंचायत श्योपुरियांन अंसारी के सदर हाजी इकबाल हुसैन अंसारी के नेतृत्व में कैबिनेट के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त सदर आबिद हुसैन अंसारी का उनके आवास पर जाकर माला पहनाकर साफा बांधकर मुंह मीठा करवाकर स्वागत किया। इस दौरान पंचायत सदर हाजी इकबाल हुसैन अंसारी, नायब सदर लाईक अहमद अंसारी, सेकेट्री नईस अहमद, पूर्व सदर हाजी अब्दुल हसीब, खजांची अखलाक अंसारी, मदरसा सदर अख्तर अंसारी, मौलाना इम्तियाज, रईस नेता, सलामत हुसैन अंसारी, इफ्तिखार अहमद अंसारी, शब्बीर रॉयल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली द्वारा आज जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 98 बन्दी जिला कारागृह, पाली में निरूद्ध मिले। निरीक्षण के दौरान सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बंदी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इस के लिये सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देते हुए ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया।

वित्तीय समावेशन के लिए गांव-गांव पहुंचे अधिकारी

-कोटा के विभिन्न क्षेत्रों में लगे जागरुकता शिविर

शब्बीर हुसैन

कोटा (रॉयल पत्रिका)। केंद्र एवं राज्य सरकार की वित्तीय योजनाओं को अंतिम छोर तक पहुंचाने तथा पात्र लेकिन वंचित लोगों को उनका लाभ दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को कोटा जिले के इटावा, खैराबाद, लाडपुरा, सांगोद एवं सुल्तानपुर क्षेत्र की विभिन्न ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन एवं वित्तीय साक्षरता शिविरों का आयोजन किया गया। अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) दिलीप कौर ने बताया कि इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जनधन योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, डिजिटल लेन-देन, किसान क्रेडिट कार्ड, मुद्रा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी जा रही है, जिससे ग्रामीण अपने

आर्थिक जीवन को सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बना सकें। शिविरों का आयोजन इटावा क्षेत्र की जटवाड़ा एवं जोरावरपुरा, खैराबाद क्षेत्र की असकली, बड़ोदिया कलां, रींछारिया, सहरवाड़ा, लाडपुरा क्षेत्र की खेड़ा रामपुर एवं किशनपुरा तकिया, सांगोद क्षेत्र की बालूहेड़ा एवं बपावर कलां तथा सुल्तानपुर क्षेत्र की बनेठिया और बड़ोद ग्राम पंचायतों में किया गया।

इन शिविरों में संयुक्त निदेशक सांख्यिकी आर. एन. मालव, सीएफएल से कैलाश प्रजापति और संबंधित ग्राम पंचायतों में एएफओ विविधा बर्दिया एवं सभी बैंकों के बीसी की उपस्थिति में ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी गई। विशेष रूप से जोरावरपुरा, जटवाड़ा एवं बड़ोद में अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें योजनाओं से जुड़ने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना ने सभी को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित की

-आंगनबाड़ी महिला कार्यकर्ताओं ने बांधी राखी मनाया रक्षाबंधन

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित टाउन हॉल में आईसीडीएस विभाग द्वारा रक्षाबंधन मनाया गया जिसमें विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना जिला प्रमुख वंदना आर्य आदि अतिथि रहे। उपनिदेशक डॉ नरेंद्र शेखावत महिला अधिकारिता सहायक निदेशक राजेंद्र सिंह सीडीपीओ सीमा गहलोत आदि ने अतिथियों का स्वागत किया उपनिदेशक डॉक्टर नरेंद्र शेखावत ने विभाग के योजनाओं व कार्यक्रमों की जानकारी दी इस मौके पर उपस्थित सभी ने पोषण शपथ ली संचालन ज्योति वर्मा ने किया बांधी राखी - मनाया रक्षाबंधन इस अवसर पर आंगनबाड़ी महिला कार्यकताओं ने विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा,

जिला उप प्रमुख महेन्द्र न्यौल, सीईओ श्वेता कोचर, अभिषेक चोटिया, गोपाल बालाण, सुनील ढाका को राखी बांधी व रक्षाबंधन मनाया। अतिथियों ने महिलाओं को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट किए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं देत हुए 501 रुपए, मिठाई व एक छाता उपहार स्वरूप प्रदान किए गए।उत्कृष्ट कार्य करने वालों का किया सम्मान इस अवसर पर अतिथियों ने विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों, आंगनबाड़ी कार्यकताओं का सम्मान किया। इस अवसर पर अतिथियों ने पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना, रॉकेट लर्निंग द्वारा आयोजित ईसीसीई कार्यक्रम, बढ़ता बचपन कार्यक्रम आदि में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 15 महिला पर्यवेक्षक, जिला समन्वयक, जिला परियोजना सहायक, 10 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व 05 विभागीय कार्मिकों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिले में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का हुआ लाइव प्रसारण

-मुख्यमंत्री ने किया वर्चुअल संबोधन, आंगनबाड़ी बहनों को मिला सम्मान

बारां (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 5 अगस्त को 'बहनों का सुरक्षा सम्मान पर्व' अभियान के तहत मंगलवार को 'आंगनबाड़ी बहन सम्मान दिवस' कार्यक्रम का आयोजन जिला परिषद बारां के प्रथम तल हॉल में किया गया। यह आयोजन राज्य स्तरीय कार्यक्रम के अंतर्गत हुआ, जिसका सीधा प्रसारण जयपुर के बिड़ला ऑडिटोरियम से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सानिध्य में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में परियोजना अन्ता की 174 तथा बारां की 426 सहित कुल 600 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं शामिल हुईं। कार्यक्रम में उपस्थित अटरू-बारां विधायक राधेश्याम बैरवा, जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, समाजसेवी नरेश सिकरवार व जगदीश मीणा, पंचायत समिति प्रधान मोरपाल सुमन व अन्य गणमान्यजनों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा राखी बांधकर रक्षाबंधन पर्व के साथ 'सम्मान पर्व' का भी उल्लासपूर्वक आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को उपहार स्वरूप एक-एक छाता, मिठाई एवं राखी भेंट की गई। साथ ही मुख्यमंत्री ने जिले की 1640 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं 1600 सहायिकाओं को 501 रूपए की राशि डीबीटी के माध्यम से राखी उपहार स्वरूप प्रदान की। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी बहनों के योगदान को सराहते हुए उन्हें सम्मानित किया गया तथा समाज में उनके महत्त्वपूर्ण कार्यों को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक दुर्गाशंकर मीणा, महिला अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक सतीश परिहार, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी मोहन लाल, सीडीपीओ रवि मित्तल (अन्ता), विकास गोयल (बारां), प्रदीप घिलोटिया (शाहबाद) सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी राजस्थान सरकार का शकील काजी ने अभिनंदन किया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय चूरू निवासी महाराष्ट्र हज कमेटी सदस्य, शकील काज़ी ने भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को राजस्थान राज्य वित आयोग अध्यक्ष राजस्थान सरकार में बनने पर सदस्य महाराष्ट्र हज कमेटी शकील काज़ी, चूरू जिला भाजपा उपाध्यक्ष (किसान मोर्चा) डॉ. सत्यनारायण झाझडिया ने गुलदस्ता देकर, मिठाई खिलाकर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देकर अभिनंदन किया शकील काज़ी ने कहा चतुर्वेदी को वित आयोग जैसे महत्वपूर्ण पद पर जिम्मेदारी मिलना बड़ी बात है, इनके अनुभव का लाभ कार्यकर्ताओं और पार्टी को मिलेगा। जिला उपाध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा डॉ. सत्यनारायण झाझडिया ने कहा सादगी से रहने वाले मिलनसार व्यक्ति डॉ. अरुण चतुर्वेदी काफी समय से जमीन से जुड़े हुवे होने के कारण आमजन से इनका सीधा जुड़ाव है।

त्यौहार के सीजन में खाद्य सुरक्षा टीम ने 5 मिठाई

-182 किलो कलर युक्त मिठाइयां करवाई नष्ट

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशभर में त्यौहार के मध्यनजर पाली जिले में विशेष अभियान के तहत दूध व दूध से बने खाद्य पदार्थो की बढ़ती खपत के तहत जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा सोजत सिटी में 5 मिष्ठान के प्रतिष्ठानों पर दबिश देकर कलर युक्त मिठाई निर्माण करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं पर बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा औषधि नियंत्रण एच गुईटे के दिशा निर्देश व सीएमएचओ डॉ. विकास मारवाल के निर्देशानुसार पाली जिले के सोजत सिटी में 25 वर्ष पुरानी दुकान चाचाजी मिठाई वाला मैन बाजार सोजत सिटी पर दबिश देकर इण्डस्ट्रीयल कलर का उपयोग कर मिठाई बनाने वाले खाद्य कारोबारकर्ता के गोदाम व दुकान पर कार्यवाही की गयी। इस दबिश के दौरान शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से अधिक कलरयुक्त 182 किलो मिठाई को नष्ट करवाया गया। साथ ही सोजतसिटी में छप्पन भोग मिष्ठान भण्डार, एफबीओ गगन गुप्ता की चाचा मिठाई वाला, वैष्णव स्वीट का निरिक्षण किया गया तथा स्वच्छता रखने की हिदायत दी। इस कार्यवाही के दौरान

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेश चन्द्र शर्मा व दिलीप सिहं यादव ने 5 मिष्ठान भंडारों से 6 सेम्पल लिये। कार्यवाही के दौरान सोजत सिटी के बिरस्टो कैफे की प्राप्त शिकायत पर कार्यवाही करते हुये पनीर का सेम्पल लिया गया। इन सभी खाद्य कारोबार कर्ताओं पर कार्यवाही करते हुये इनके सेम्पल जांच हेतु जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला में भिजवाये गये। जहां से प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर मिलावट करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओ के खिलाफ कठोर कानूनी कार्यवाही को अंजाम दिया जायेगा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल के साथ ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत, रेक्सो चालक लक्ष्मणदान चारण उपस्थित रहे।

अधिक कलर उपयोग से होता है केन्सर:-

सीएमएचओ डॉ. मारवाल ने बताया की जो मिठाई आपकी आंखो को रंगीन व अच्छी दिखाई देती है उसमें कलर की मात्रा अधिक होने के कारण शरीर में कैंसर जैसी भयावह बीमारी पैदा हो जाती है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचन्द्र शर्मा ने बताया की एफएसएसआई द्वारा प्रमाणित 100 ग्राम बुश कलर का उपयोग 2000 किलो तक मिठाई बनाने में बराबर अनुपात में उपयोग किया जाता है। जबकि आम व्यक्ति को मिठाई को रंगीन व अच्छी दिखाने के चक्कर में मिष्ठान भण्डार वाले उसे 100 ग्राम बुश कलर का उपयोग मात्र 200 किलो मिठाई बनाने में कर देते हैं, जिससे कलर का अधिक उपयोग होने के कारण कैंसर फैलता हैं।

शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नियुक्त हुई डॉ. अस्मिता का किया स्वागत

बारां (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित राजकीय गीता देवी रामस्वरूप गर्ग सर्राफ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मांगरोल बाईपास रोड बांरा में नवनियुक्त डॉक्टर अस्मिता गोयल ने पदभार ग्रहण करने पर मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान परिवार के तत्वावधान मे अध्यक्ष शेख बहादुर, महिला कोर्डिनेटर फरीदा शेख ने माला पहनाकर शॉल ओढ़ाकर स्वागत कर मुबारकबाद दी इस अवसर पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

पंचमुखी बालाजी मंदिर चूरू में महाकाल का हुआ भव्य श्रृगांर

-समाज की विभुतियों का किया गया सम्मान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शिवभक्त मण्डल के द्वारा मोचीवाड़ा स्थित प्राचीन पंचमुखी बालाजी मंदिर में भगवान शिव का बर्फ से श्रृगांर किया गया वही महाकाल की झांकी ने लोगो का मन मोह लिया। इस अवसर पर चूरू के विभिन्न प्रतिभाशाली लोगो का सम्मान भी किया गया। शिव भक्त मण्डल के तत्वावधान में यह 34वां वार्षिक कार्यक्रम था। इस अवसर पर शिवभक्त मण्डल के संयोजक रतन बजाज ने बताया कि पिछले 34 वर्षो से चूरू शहर के विभिन्न मन्दिरो में इस संस्था के द्वारा भगवान शंकर का श्रावण माह में भव्य बर्फ की रंगीन सिल्लियों से श्रृगांर किया जाता है एवम् सामाजिक क्षेत्र में सेवा देने वाले समाज की प्रतिभाओं का हर वर्ष अभिन्नदन भी किया जाता है। पंचमुखी बालाजी मंदिर में आरती के साथ हुऐ कार्यक्रम और श्रृगांर में मध्य रात्री तक भक्तो की भीड़ लगातार बनी रही मध्य रात्री में भगवान शंकर की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ वही अभिन्नदन समारोह में मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन के साथ समाजसेवी योगेश गौड़ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में कार्यक्रम के संयोजक गुरूदास

भारती ने सभी का स्वागत किया एवम् उपस्थित संस्था के कार्यकर्ताओ ने शॉल, माला व मोमेन्टो प्रदान कर अभिन्नदन किया। इस अवसर पर संगीत के क्षेत्र में डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. प्रमोद बाजोरिया, डॉ. सुरेन्द्र शर्मा, डॉ. नितेष तोषाण, सामाजिक सेवा के लिए पंडित महेश बावलिया, के.पी. जोशी, एडवोकेट पवन शर्मा, सुरेश गोटेवाला, रविन्द्र शर्मा, जगदीश सर्राफ, सुशील बजाज, नारायण शर्मा, शिवकुमार गोयन्का, योगेश मोदी, एडवोकेट हनुमान स्वामी, दिनेश तोषाण, महेश चोटिया, ओमप्रकाश जांगिड़, मनेज जांगिड़, महेन्द्र सुन्दरिया, रवि दाधीच, गौरीशंकर बाबू पाटील, दुर्गादत्त हारित का अभिन्नदन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ संगीतकार डॉ. श्यामसुन्दर शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह से प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलती है और इस सम्मान से चूरू की गरीमा बढ़ती है और लोगो को काम करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होने इसे सकारात्मक कदम बताया। कार्यक्रम में पंडित अमित हारीत ने मंगलाचरण किया एवं चारवी बजाज और दिशा शर्मा ने सभी का तिलकार्चन किया। वही राशिका और रिद्वी सरोठिया ने शिव की स्तुती की। वही धन्यवाद एडवोकेट पवन शर्मा ने कीया। इस अवसर पर अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रवि दाधीच ने किया।

श्री कृष्ण यादव अहीर धर्मशाला डिग्गी 6 दिवसीय विशाल भंडारे का आयोजन हुआ

-जयपुर जिला देहात यादव समाज के अध्यक्ष डॉ. जगदीश प्रसाद खातोदिया व उनकी टीम डिग्गी पहुंच कर चल रहे भंडारे में शिकरत करने पहुंचे

चौमूं/जयपुर (रॉयल पत्रिका)। डिग्गी श्री कृष्ण यादव अहीर धर्मशाला 6 दिवसीय विशाल भंडारा एवं नींबू पानी का आयोजन रखा गया, भण्डारे में रोज अलग-अलग प्रकार की मिठाइयां का प्रसादी ग्रहण करवाये गये। यह कार्यक्रम डिग्गी के स्थित श्री कृष्ण अहीर धर्मशाला के अध्यक्ष हीरालाल हुड्डा ने बताया कि कई वर्षों से भण्डारे आयोजन करते आ रहे हैं। इसी प्रकार हर वर्ष की भांति की तरह 31 जुलाई को भंडारे का शुभारंभ किया गया ओर इस कार्यक्रम का 5 अगस्त को विशाल भंडारे में लगभग 5-6 हजार श्रद्धालुओं सहित कल्याण महाराज के भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। कार्यक्रम में भक्तों के लिए धर्मशाला में विश्राम के लिए ठहरने की अच्छी व्यवस्था गई, क्योंकि श्रद्धालुओं व यात्री आराम

से विश्राम कर सकें। धर्मशाला में अच्छी बेहतरीन सुविधा की व्यवस्था में हवा के लिए कुलर व पंखों की व्यवस्था की गई । इस कार्यक्रम में जय जय व्यवस्था देखने के लिए जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष डॉ. जगदीश प्रसाद यादव एवं उनकी टीम के साथ पहुंचकर चल रहे भंडारे की व्यवस्था कार्यालय लेकर यादव समाज के लोगों के लिए एवं क्षेत्र के लिए खुशहाली की मनौतियां मांगे। इस कार्यक्रम में जिला जयपुर टोंक और दूदू की यादव समाज और का सहयोग रहा। ओर नींबू पानी की व्यवस्था नारीखेड़ा राम कुटी व केसियाला शयोपूरा के यादवों द्वारा अलग-अलग व्यवसाय कर रहे थे। इस कार्यक्रम में पानी की व्यवस्था गणेश गढ़वाल मुहाना की तरफ की गई। इस मौके पर यादव समाज के जनप्रतिनिधि यादव समाज के बंधु पहुंच कर भंडारे की व्यवस्था लग रहे।

वैभव गहलोत व धर्मेंद्र राठौड़ का किया भव्य स्वागत

पाली (रॉयल पत्रिका)। जालोर से लोकसभा प्रत्याशी वैभव गहलोत एवं पूर्व चेयरमैन आरटीडीसी धर्मेंद्र राठौड़ के पाली आगमन पर पनिहारी स्थित होटल में पाली विधायक भीमराज भाटी के नेतृत्व में कांग्रेस जनों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान पूर्व सभापति प्रदीप हिंगड़, पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नवनियुक्त अध्यक्ष हकीम भाई, प्रदेश सचिव शिशुपाल सिंह राजपुरोहित, राजीव गांधी पंचायतीराज जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल, मंगलाराम चौधरी, गोरधन प्रजापत, पूर्व पार्षद रमेश चावला, प्रकाश चौहान, ताराचन्द चन्दनानी, यशपालसिंह कुम्पावत, रतन चन्देल, मोहनसिंह गुडलाई, कलीम, आबिद, महेंद्र सर्राफ, निर्मल तेजी, इंसाफ मोयल, गुलाम नबी पठान, हसन भाटी आदि कई कांग्रेस जन उपस्थित थे।

आवश्यक सेवाओं एवं विकास योजनाओं की प्रगति समीक्षा

-जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए दिए निर्देश

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मंगलवार को मिनी सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों की महत्वपूर्ण विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों एवं आवश्यक सेवाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई और अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में विशेष रूप से फ्लैगशिप योजनाओं, जिले में मौसमी बीमारियों की रोकथाम, विभागीय समन्वय पोर्टल, संपर्क पोर्टल, सीएमओ प्रकरण एवं लंबित परिवादों के निस्तारण की स्थिति पर चर्चा हुई। जिला कलक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जनहित के मामलों को प्राथमिकता से करें और सभी विभाग अपनी जवाबदेही सुनिश्चित करें।

बैठक में हरियालो राजस्थान अभियान के तहत चल रहे पौधारोपण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। कलक्टर ने कहा कि मानसून के दौरान अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी विभागीय कार्यालय, स्कूल, अस्पताल व पंचायत भवनों में भी पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाई जाए।

जिला कलक्टर तोमर ने कहा कि विभागों के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है ताकि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सम्पर्क पोर्टल व सीएमओ पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं परिवादों का समयबद्ध समाधान किया जाए। लंबित मामलों को प्राथमिकता से निस्तारित करें।

मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए सतर्कता आवश्यक

जिला कलक्टर ने डेंगू, मलेरिया, वायरल फीवर व अन्य मौसमी बीमारियों के मामलों को लेकर चिकित्सा विभाग, नगर परिषद एवं पंचायत राज विभाग को निर्देशित किया कि नियमित फॉगिंग, साफ-सफाई व जन जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। इस अवसर पर एडीएम दिवांशु शर्मा, एडीएम जबर सिंह, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी सहित जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन ने किया पौधारोपण

कोटा (रॉयल पत्रिका)। गरीब नवाज रीलीफ फाउंडेशन द्वारा हर साल की तरह इस साल भी पौधारोपण प्रोग्राम का आयोजन किया जा रहा है। गरीब नवाज रिलीफ फाउंडेशन से जुड़े अरशद अंसारी ने बताया कि हर साल की तरह इस साल भी गरीब नवाज़ रिलीफ फाउंडेशन द्वारा पौधारोपण किया गया। कोटा में गजल फार्म हाउस, जालीपुरा में विशाल पौधारोपण कार्य किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि डी वाई एस पी अनीस अहमद ने कहा कि पौधे लगाना बहुत जरूरी है लेकिन अब पेड़ कम होते जा रहे है इसके लिए हम सबको मिलकर पौधे लगाना है।

प्रोग्राम की अध्यक्षता आल इंडिया सीरत कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं कोटा संभाग के अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू ने की उन्होंने बताया कि यह बहुत नेक कार्य है पौधे इंसानी जीवन के लिए बहुत जरूरी है । कार्यक्रम का संचालन मौलाना शारिक मदनी ने किया। इस मौके पर एडवोकेट जहीर अहमद, रफीक बुमबीया, बारा वक्फ बोर्ड के सचिव दानिश खान, इकबाल भाई, रिंकू भाई, आमिर रजा, मुफ्ती रिजवान, मौलाना शाहिद, मौलाना तालिब, मोईन

भाई, मुस्तनिर, राजा भाई, साबिर भाई, सरफराज भाई आदि लोग उपस्थित रहे।

मिरुशाह तकिया के पास मदरसा में नि:शुल्क नेत्र शिविर आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर समाज सेवी अनवर खान (रिटायर्ड थानेदार) के द्वारा अपने मरहूम माता पिता की याद मे मिरुशाह तकिया के पास मदरसा में 07 अगस्त 2025 को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आंखों के फ्री चेकअप ओर फ्री दवाइयों का कार्यक्रम वार्ड संख्या 58 ओर 59 वासियों के लिए केम्प रखा गया है, साथ ही जरूरत मंदो को चश्मे भी उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिसमें नेत्र रोग चिकित्सक डॉ. दीपचंद

सैनी अपनी टीम पूनम, अशोक धौलपुरिया, सरफराज खान सहित सेवाएं देंगे ।

पाकिस्तानी रेस्टोरेंट इवेंट में शामिल होने को लेकर मिली धमकी

विवादों में फंसे Kartik Aaryan

अपनी फिल्मों और इवेंट्स को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहने वाले एक्टर कार्तिक आर्यन विवाद इन दिनों विवादों में हैं. हालांकि, ये विवाद उनके एक पाकिस्तानी इवेंट में शामिल होने से जुड़ा है, लेकिन इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने से पहले ही फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज ने एक्टर को एक चेतावनी भरा लेटर लिखा है, उनका कहना है कि ऐसे कार्यक्रमों में हिस्सा लेना भारत सरकार के नियमों के खिलाफ है. ऐसे में आइए जानते हैं पूरा मामला क्या है. दरअसल, कार्तिक के ह्यूस्टन में एक पाकिस्तानी रेस्टोरेंट द्वारा आयोजित एक इवेंट में शामिल होने की खबरें थी, जो 15 अगस्त को अमेरिका में होने वाला है और एक्टर इसमें बतौर गेस्ट शामिल होने वाले थे.

ऐसे में FWICE ने पत्र लिखकर उनसे अपना नाम वापस लेने के लिए कहा है. FWICE द्वारा लिखे पत्र में कहा गया है कि, यह कार्यक्रम आगा रेस्टोरेंट एंड कैटरिंग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जो एक पाकिस्तानी मूल के मालिक श्री शौकत मारेडिया के स्वामित्व में है. यही रेस्टोरेंट पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर होने वाले जश्न-ए-आजादी कार्यक्रम को भी प्रमोट कर रहा है, जिसमें पाकिस्तानी सिंगर आतिफ असलम शामिल होंगे.

तुरंत नाम वापस लेने की कही बात

लेटर में आगे लिखा, आपका इस कार्यक्रम से जुड़ना, चाहे अनजाने में ही क्यो न हो राष्ट्रीय भावनाओं को आहत करता है और उद्योग में पहले से लागू निर्देशों के खिलाफ है. यह भी कहा कि, हमारा मानना है कि आप ऑर्गेनाइजर्स के बैकग्राउंड के बारे में पूरी तरह से नहीं जानते होंगे. अगर ऐसा है, तो हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप इस इवेंट से अपनी भागीदारी तुरंत वापस ले लें. हालांकि, अगर आप ऑर्गेनाइजर्स के बैकग्राउंड के बारे में जानते थे, तो यह और भी अधिक चिंता की बात है और हम क्लैरिफिकेशन की अपेक्षा करते हैं तथा ऐसे ऑर्गेनाइजेशन से तत्काल दूरी बनाए रखने की अपेक्षा करते हैं.

तमन्ना भाटिया ने बाहुबली में अवंतिका के उस सीन का किया बचाव

- बोलीं- सबसे पवित्र चीज को लोग गंदी नजर से देखते हैं

बाहुबली साउथ सिनेमा की सबसे शानदार फिल्म कही जाती है। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने दमदार एक्टिंग की थी। पर एक सीन था, जिसको लेकर विवाद हुआ था। इस पर तमन्ना ने बचाव किया है। उनका कहना है कि जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर पाते हैं तो वो आपको शर्म और गिल्टी महसूस करवाते हैं।

एसएस राजामौली की फिल्म बाहुबली ने देश-दुनिया में तहलका मचा दिया था। इसने ना सिर्फ भारतीय सिनेमा के, बल्कि साउथ इंडियन सिनेमा का स्तर भी बहुत ऊंचा कर दिया था। इसमें प्रभास से लेकर तमन्ना भाटिया तक ने अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में दोनों के बीच एक सीन था, जिसमें प्रभास एक-एक कर अवंतिका (तमन्ना का किर बदन से कपड़े हटाते हैं और उनका मेकअप करते हैं। ऐसा करके वो उन्हें याद दिलाते हैं कि वो एक औरत हैं, जिसे वो भूल चुकी थीं। इस सीन को लेकर विवाद हुआ था, जिसका तमन्ना ने बचाव किया है। तमन्ना भाटिया ने द लल्लनटॉप को इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने बाहुबली के उस विवादित सीन पर अपनी राय रखी। द रेप ऑफ अवंतिका टाइटल से पब्लिश हुए एक आर्टिकल पर उन्होंने कहा, ये मेरा विचार है। जब लोग आपको कंट्रोल नहीं कर सकते। वो एक टेक्नीक का इस्तेमाल करते हैं और वो है- शर्म और गिल्टी। क्योंकि वो हमेशा आपको ऐसा महसूस कराते हैं कि आप जो भी करें, उसके बारे में आपको शर्मिंदा होना चाहिए। जब भी आपको महसूस करा सकते हैं, वो आप पर कंट्रोल पा सकते हैं।

तमन्ना ने सोच को लेकर कही ये बात

उन्होंने आगे कहा, हमारे देश में लोग उस प्रोसेस को तुच्छ समझते हैं, जिसके जरिए आप मैं आज यहां हैं। अगर हमारे पैरेंट्स साथ ना दें तो मुझे नहीं लगता कि आप यहां होते। ना मैं होती, ना ही कोई और। और हम इसे बहुत तुच्छ समझते हैं। हम बहुत दबे हुए हैं।

प्योर चीज को गंदी नजर से देखते हैं

वो आगे कहती हैं, जो इतनी प्योर चीज है, उसी को हम सबसे गंदी नजर से देखते हैं। वो नजरिया जो है, वो हम सबको ऐसा महसूस कराते हैं कि हमें अपने जीवन के उस पहलू के बारे में शर्मिंदा होना चाहिए, उसे छुपाना चाहिए और उस पर चर्चा नहीं करनी चाहिए, वरना हम उस बातचीत के बारे में खुलकर बात नहीं कर सकते।

लोग महसूस कराना चाहते हैं कि आपने कुछ गलत कर दिया

तमन्ना ने आगे कहा, लोग हमेशा आपको महसूस कराना चाहते हैं कि आपने कुछ गलत कर दिया। लेकिन ये सबसे बेसिक चीज है लाइफ की। इसलिए आज हम हैं। ये मुझे आज तक बात समझ में नहीं आई कि लोग क्यों- जब आपक एक फिल्म देखते हैं- वो एक डायरेक्टर का विजन होता है।

राजामौली को लेकर कही ये बात

तमन्ना ने उस पल को याद किया, जब एसएस राजामौली उन्हें उस सीक्वेंस के बारे में समझा रहे थे। उन्होंने कहा, मुझे याद है, जब राजामौली सर मुझे वो पूरा सीक्वेंस समझा रहे थे तो उन्होंने कहा था- वो एक दिव्य स्त्री है, जो घायल है। वो सुंदर है। वो स्त्री है। वो प्यार पाना चाहती है। लेकिन वो अपनी लाइफ में मुश्किलों से गुजरी है कि उसे लगता है कि उसे हर किसी को दूर धकेलने की जरूरत है। वो किसी को भी अंदर नहीं आने दे सकती, क्योंकि वे हमेशा उसका फायदा उठाएंगे। लेकिन यहां एक युवक है, जो उसे ये दिखाने के लिए सिर्फ उसे लुभाने की कोशिश कर रहा है कि वो कितनी सुंदर है।

उस सीन पर ये बोलीं

वो बोलीं, अगर आपको ये विजुअली दर्शाना पड़े तो कुछ बाली (ईयरिंग्स) शिफ्ट हो जाती है, बिंदी लग जाती है, जब अपने आप को देखती है... अपना खुद का चेहरा देखती है। वो देखती है अरे मुझे हमेशा से लगता था कि मैंने... अपने आप को इतना स्ट्रॉन्ग कर दिया था कि अपनी जो नरमता है वो कहीं ना कहीं गुम हो गई थी।

इमरान के साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल

अदिवि शेष और इमरान हाशमी फिल्म गुडाचारी 2 में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म की शूटिंग जारी है। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अदिवि ने इमरान के साथ काम करने को लेकर अपनी राय पेश की है। अदिवि ने कहा कि मैं इमरान हाशमी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैं हमेशा से उनका फैन रहा हूं। मैं थिएटर में उनकी शानदार मौजूदगी और जोश देखकर मंत्रमुग्ध हो जाता था। अब उनके साथ स्क्रीन शेयर करना मेरे लिए खास पल है। बता दें कि हैदराबाद में गुडाचारी 2 के एक एक्शन सीन की शूटिंग करते वक्त इमरान घायल हो गए थे। उनकी गर्दन में चोट लग गई थी। दरअसल, इमरान जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हुए थे, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया था। गुडाचारी 2 एक थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में अदिवि और इमरान लीड रोल प्ले कर रहे हैं। जबकि इससे पहले इमरान, सलमान खान और कटरीना कैफ की फिल्म टाइगर 3 में नजर आ चुके है, जिसमें उन्होंने विलन का रोल प्ले किया था।

'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी

फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड पाकर रानी मुखर्जी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। वह अपने इस अवॉर्ड को दुनिया भर की मांओं को समर्पित करती हैं। रानी मुखर्जी अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहती हैं, 'फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में अपनी एक्टिंग के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतकर मैं काफी खुश हूं। यह मेरे 30 साल के करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड है। एक कलाकार के तौर पर मैं लकी रही हूं कि कुछ कमाल की फिल्में की हैं। मुझे उन फिल्मों के लिए बहुत प्यार मिला है। फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' में मेरे काम को सम्मानित करने के लिए मैं नेशनल अवॉर्ड ज्यूरी का धन्यवाद करती हूं। मैं इस पल को फिल्म की पूरी टीम, मेरे प्रोड्यूसर निखिल आडवाणी, मोनिशा और मधु, डायरेक्टर आशिमा छिब्बर के साथ शेयर करती हूं। यह अवॉर्ड 30 साल के मेरे काम, मेरे डेडिकेशन और सिनेमा के लिए मेरे जुनून का सबूत है।'

रानी मुखर्जी आगे कहती हैं, 'मैं अपना नेशनल अवॉर्ड दुनिया की सभी मांओं को समर्पित करती हूं। हमारी फिल्म में एक मां की ही कहानी है, जिसने अपने बच्चों को पाने के लिए सबकुछ कुर्बान कर दिया। इस कहानी ने मुझे अंदर तक झकझोर दिया था। सच में, एक मां का अपने बच्चे के लिए प्यार बिना शर्त का होता है। इस बात का अहसास मुझे तब हुआ जब मेरा अपना बच्चा हुआ। इसलिए यह नेशनल अवॉर्ड, यह फिल्म बेहद इमोशल, पर्सनल है। हमने फिल्म के जरिए यही दिखाने की कोशिश की कि एक मां अपने बच्चों के लिए पहाड़ भी हिला सकती है। दुनिया को एक बेहतर जगह भी बना सकती है।'

नेशनल अवॉर्ड पाकर गदगद रानी मुखर्जी अपने फैंस को भी नहीं भूलती हैं। वह फैंस का भी शुक्रिया अदा करती हैं। रानी कहती हैं, 'दुनिया भर के अपने सभी फैंस का एक बार फिर शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। 30 साल के मेरे करियर वे साथ रहे। आपका बिना शर्त का प्यार, सपोर्ट ही मेरे लिए सब कुछ है। इस बात से मुझे काम करने की, एक्टिंग करने की इंस्पिरेशन मिलती है। आप लोगों ने मुझे हर रोल, हर कहानी में अपनाया है, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है।

एल्विश के हाथ लगा एक और रियलिटी शो

इस वक्त एल्विश यादव के करियर के सितारे बुलंदियों पर हैं। वह जिस भी चीज में हाथ डाल रहे हैं, वहां से विनर बनकर निकल रहे हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 और रोडीज के बाद एल्विश यादव ने लाफ्टर शेफ्स 2 जीता, और अब वह एक्टिंग डेब्यू करने जा रहे हैं। एल्विश यादव जल्द ही एक वेब सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग भोपाल में चल रही है। एल्विश ने शूटिंग भी शुरू कर दी है। एक सोर्स ने बताया कि एल्विश यादव काफी समय से एक्टिंग की दुनिया में उतरने का मन बना रहे थे, और यह प्रोजेक्ट उनके विजन के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। एल्विश अभी भोपाल में शूटिंग कर रहे हैं, और बेहद एक्साइटेड हैं। एल्विश यादव एक पॉपुलर यूट्यूबर रहे हैं, और वहीं से उन्हें बिग बॉस ओटीटी में जाने का मौका मिला था। उन्होंने बतौर वाइल्ड कार्ड शो में एंट्री की थी, और विनर बनकर इतिहास रच दिया था। इसके बाद एल्विश यादव की पॉपुलैरिटी और बढ़ गई।

सीरीज मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं वाणी

वाणी कपूर ने साल 2013 में फिल्म शुद्ध देसी रोमांस से इंडस्ट्री में डेब्यू किया। तब से उन्होंने कई ग्लैमरस रोल किए हैं। अब इस साल उन्होंने ओटीटी डेब्यू किया है और पहली सीरीज से ही वे छा गई हैं। सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर यशराज फिल्म्स की वेब सीरीज मंडला मर्डर्स में वाणी के काम की काफी तारीफें हो रही हैं, जो बीते हफ्ते नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। अभिनेत्री ने बताया कि यह रोल करते हुए वे अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकलीं, जो आसान नहीं था।

वाणी सीरीज में सीबीआई ऑफिसर रिया थॉमस के रोल में दिखी हैं। मंडला मर्डर्स के जरिए वाणी ने करियर के नए चैप्टर की शुरुआत की है। इस बीच उन्होंने बॉलीवुड में अपने संघर्ष के दौर के बारे में बात कीं। बॉलीवुड फिल्मों में कई वर्ष से ग्लैमरस और रोमांटिक रोल करने वाली वाणी मंडला मर्डर्स में एक अलग अवतार में नजर आई हैं। उनका कहना है कि यह बदलाव उनके लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा। मनीकंट्रोल के साथ बातचीत के दौरान जब वाणी से इस किरदार का चयन करने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह उनके पिछले हर किरदार से अलग था। रिया ने कहा कि उन्हें यह किरदार बिना इमोशन और लंबे-लंबे डायलॉग और नाटकीय हाव भाव के सिर्फ आंखों के जरिए अदा करना था। ऐसा करना इमोशनली और मेंटली थका देने वाला था, लेकिन इस चुनौती ने उन्हें आकर्षित किया। वाणी कपूर ने मंडला मर्डर्स के लिए अपने कंफर्म जोन से बाहर निकलने की कोशिश की। वे बताती हैं कि निरंतरता सबसे मुश्किल हिस्सा था। आप किरदार के डिजाइन से बाहर नहीं निकल सकते।

आयुष्मान खुराना करेंगे मोहम्मद रफी की बायोपिक में लीड रोल?

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के दिग्गज सिंगर मोहम्मद रफी वो आवाज हैं, जो पीढ़ी दर पीढ़ी अपना जादू बिखेर रहे हैं। उनकी आवाज और गाने आज भी उतने ही पसंद किए जाते हैं, जितने उनके दौर में किए जाते थे। इस मौके पर रफी साहब के बेटे शाहिद रफी से बात की। इस खास बातचीत में शाहिद ने पिता से जुड़ी यादें साझा कीं। साथ ही उनकी बायोपिक के बारे में भी जानकारी दी।

बायोपिक के निर्माता हैं शाहिद रफी

ओह माय गॉड जैसी फिल्में बना चुके निर्देशक उमेश शुक्ला ने घोषणा की है कि वे रफी साहब की बायोपिक पर काम कर रहे हैं। अब रफी के बेटे शाहिद रफी ने इस फिल्म को लेकर कई जरूरी बातें साझा कीं। शाहिद ने बताया कि वो खुद इस फिल्म से बतौर निर्माता जुड़े हैं। उन्होंने कहा, मैंने यह तय किया था कि अब्बा की बायोपिक तभी बननी चाहिए, जब इसे सच्चाई और ईमानदारी से बनाया जाए। मेरे लिए यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि मेरे अब्बा की जिंदगी को दुनिया के सामने लाने का जरिया है। जब डायरेक्टर उमेश शुक्ला से मेरी बातचीत हुई तो मुझे उनके काम करने का तरीका और सोच समझ आई। मुझे लगा कि वही इस कहानी को सही तरीके से दिखा सकते हैं।'

शाहिद ने आगे बताया कि उमेश जी थिएटर से आए हैं, इसलिए उन्हें किरदारों को महसूस करने का हुनर आता है। वो सिर्फ सीन नहीं बनाते, वो किरदार के भीतर जाते हैं। रफी साहब जैसे इंसान को समझने के लिए यह बहुत जरूरी है। उनकी पहले की फिल्मों में भी मैंने यह दिल से जुड़ी समझ देखी है। वे इस फिल्म के सह-निर्माता भी हैं।

जो उन्होंने जिया, वही फिल्म में दिखेगा

जब पूछा गया कि फिल्म में रफी साहब की जिंदगी के कौन-कौन से हिस्से शामिल होंगे, तो शाहिद ने बताया कि मेरे अब्बा की जिंदगी एक खुली किताब जैसी थी। मैं चाहता हूं कि लोग उन्हें सिर्फ गायक के तौर पर नहीं, इंसान के रूप में भी जानें। कई बार फिल्मों में सच्चाई से हटकर बातें जोड़ दी जाती हैं या बदल दी जाती हैं। मैंने शुरू से साफ कहा कि जो जैसा था, वैसा ही दिखाया जाए। हमें कुछ भी छुपाने या बदलने की जरुरत नहीं है।

फिल्म में मोहम्मद रफी का किरदार कौन निभाएगा? इस पर अभी कोई पक्की जानकारी तो नहीं है पर इंडस्ट्री में आयुष्मान खुराना को इस किरदार के लिए संपर्क किया गया है। इस बारे में शाहिद ने कहा कि हमारी कुछ बड़े नामों से बातचीत चल रही है। दो-तीन एक्टर्स से संपर्क भी हुआ है, लेकिन अभी तक कुछ फाइनल नहीं हुआ है। जब सब तय होगा, तब हम खुद इसकी जानकारी देंगे।

शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद

शाहिद ने बताया कि फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और अब आगे की तैयारी चल रही है। वे इस साल नवंबर या दिसंबर तक इसकी शूटिंग शुरू कर देंगे। सब कुछ सही रहा, तो यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में आ सकती है।

आतंकवादियों से लोहा लेते दिखे जॉन अब्राहम, तेहरान का ट्रेलर रिलीज

अगस्त के महीने में कई दिलचस्प फिल्में थिएटर्स में रिलीज होने जा रही हैं। वहीं, ओटीटी पर भी बहार रहेगी। इस महीने ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों में जॉन अब्राहम की तेहरान का नाम भी शामिल है। इसी फिल्म का 01 अगस्त को ट्रेलर रिलीज किया गया है, जो सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर है। फिल्म तेहरान 14 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज होगी। इसे जी5 पर देखा जा सकेगा। जी स्टूडियोज के यूट्यूब चैनल पर फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया है। जॉन अब्राहम आतंकवादियों के मंसूबों को नाकाम करते दिख रहे हैं। वे पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगे। अभिनेता एक्शन अवतार में दिख रहे हैं। फिल्म तेहरान को सच्ची घटना पर आधारित बताया जा रहा है। ट्रेलर की शुरुआत में आवाज आती है, ये इंटरनेशनल मैटर है, तीन देशों में ब्लास्ट हुआ है। ये आतंकवादियों का काम है और हमें इन्हें बेनकाब करना होगा।

साभार एजेंसी

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती लगातार सातवीं टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में सोमवार को खेले गए तीसरे टी20 मैच को 13 रन से अपने नाम किया। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को लगातार सातवीं बार टी20 सीरीज में मात दी है। पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया, जिसमें मेहमान टीम इकलौते टी20 मैच को गंवा बैठी। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों मैच अपने नाम किए। 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया, जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक बार फिर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी, लेकिन सीरीज के तीन मुकाबले बेनतीजा रहे। शेष इकलौते मैच को पाकिस्तान ने सात रन से अपने नाम कर सीरीज 1-0 से जीती। 2021/22 में पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है। फ्लोरिडा में चार अगस्त को खेले गए मुकाबले की बात करें, तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए चार विकेट खोकर 189 रन बनाए। साहिबजादा फरहान और सईम अयूब ने पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान 53 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सईम अयूब ने 49 गेंदों में दो छक्कों और चार चौकों के साथ 66 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। टीम के लिए एलिक एथनाज ने 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पाकिस्तान के लिए हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक शिकार किया।

विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल आसानी से जीतीं, वैष्णवी और मनीषा भी भारतीय टीम में

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिम ने रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए ट्रायल्स के दौरान अपनी रणनीति के साथ आक्रामक रुख अपनाया। पूजा के खिलाफ उनकी रणनीति कारगर रही। अंतिम ने पहले ही मौके पर 'फितले' का इस्तेमाल किया। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में 53 किग्रा भार वर्ग में बिना किसी परेशानी के भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ क्वालिफाई किया।

अंतिम 20 साल की उम्र में सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को बिना एक भी अंक गंवाए हराया और विजेता बनीं। अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरी थीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया था। लेकिन वह ओलंपिक में विवादों में घिर गई थीं। पेरिस में मैट में उनका प्रदर्शन फीका रहा और उन्होंने अपनी बहन को अपने मान्यता कार्ड पर खेल गांव भेजकर बड़ा विवाद भी खड़ा कर दिया था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन ऐसा नहीं किया।

जसप्रीत बुमराह को लगी एक और चोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओवल टेस्ट में नहीं खेले और इसकी वजह अब सामने आई है. ऐसा माना जा रहा था कि बुमराह को आराम दिया गया है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि वो चोटिल हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को इस बार घुटने में चोट लगी है. बता दें 31 जुलाई को जब ओवल टेस्ट का आगाज हुआ था उसी दिन बुमराह को टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया था. बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी थी. लेकिन अब उन्हें रिलीज करने की वजह सामने आ गई है.

बुमराह को लगी चोट गंभीर?

रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को घुटने में चोट लगी. अच्छी बात ये है कि बुमराह की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उसकी सर्जरी नहीं होगी. हालांकि बुमराह के घुटने का स्कैन कराया गया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उनकी स्कैन रिपोर्ट्स का इंतजार है. ऐसी खबर है कि 31 साल का ये गेंदबाज बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के लिए जाएगा. वहां उनपर काम किया जाएगा ताकि वो भविष्य में होने वाले मैचों के लिए फिट हो सकें. हालांकि ऐसी खबरें भी हैं कि बुमराह एशिया कप नहीं खेलेंगे. एहतियातन उन्हें आराम दिया जाएगा.

बुमराह के लिए इंग्लैंड दौर अच्छा नहीं रहा

जसप्रीत बुमराह के लिए इंग्लैंड का दौरा औसत रहा. ये खिलाड़ी सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 विकेट हासिल किए. बड़ी बात ये है कि बुमराह ने दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन इसके बावजूद वो 14 ही विकेट हासिल कर सके.

ओवल टेस्ट जीता भारत सीरीज 2-2 से बराबर

लंदन, एजेंसी। भारत ने द ओवल टेस्ट के आखिरी दिन 4 विकेट लेकर 6 रन से मैच जीत लिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी भी 2-2 से बराबर करा ली। मोहम्मद सिराज ने दूसरी पारी में 5 विकेट लेकर मैच पलटा और टीम को रोमांचक जीत दिलाई। सोमवार को मुकाबले के आखिरी दिन इंग्लैंड को 35 रन बनाने थे और 4 विकेट बाकी थे। मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट लेकर जीत भारत की झोली में डाल रही। द ओवल में गुरुवार को इंग्लैंड ने बॉलिंग चुनी। पहली पारी में भारत ने 224 और इंग्लैंड ने 247 रन बनाए। 23 रन से पिछड़ने के बाद भारत ने दूसरी पारी में 396 रन बना दिए। इंग्लैंड को 374 रन का टारगेट मिला। टीम ने 3 विकेट के नुकसान पर 300 रन बना दिए थे। तभी हैरी ब्रूक सेंचुरी लगाकर आउट हो गए।

यहां से भारत ने 354 तक इंग्लैंड के 8 विकेट गिरा दिए। गस एटकिंसन और जोश टंग ने आखिर में टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन सिराज ने आखिरी विकेट लेकर भारत को करीबी जीत दिला दी। इंजर्ड क्रिस वोक्स भी लेफ्ट हैंड से बैटिंग करने उतरे, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

कैनेडियन ओपनः

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो, एजेंसी। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर

फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है, जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने अपनी सर्विस का अच्छा बचाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी की मजबूत सर्विस पर दबाव बनाया। कोबोली ने दूसरा सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर मैच के लिए सर्विस की, लेकिन वहीं से चौथे वरीय शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 12वें गेम में मैच के लिए एक और ब्रेक का मौका बनाया। इसके बाद टाईब्रेक में कोबोली के सभी सर्विस प्वाइंट जीत लिए। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि मैच के अंत में मैंने रैली करने और रिटर्न को कोर्ट में लाने का अच्छा काम किया। मैं अपनी दो सबसे बड़ी ताकत, सर्विस और फर्स्ट-बॉल फोरहैंड के साथ जूझ रहा था, लेकिन आखिर में जीत हासिल करना मेरी मानसिक दृढ़ता और ऐसे पल में लड़ने की क्षमता को

Durand Cup 2025:

नामधारी एफसी का विजय अभियान जारी, भारतीय वायुसेना को 4-2 से हराया

कोलकाता, एजेंसी। नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है।

नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ागन में पहला गोल वायुसेना की ओर से सैमुअल ने 7वें मिनट में किया। उसके बाद नामधारी के लिए क्लेडसन (पेनाल्टी, 37वां मिनट), अमनदीप (45वां मिनट) औ दूसरे हाफ में धर्मप्रीत (60) और स्थानापन्न सेलिंगथांग (74 वां मिनट) ने नामधारी को 4-1 से आगे कर दिया। वायुसेना के लिए दूसरा गोल संकित ने 78वें मिनट में किया लेकिन यह गोल टीम की वापसी नहीं करा सका।

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

- **अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हुए; नेक्शाका के खिलाफ मैच में चोट लगी**

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटर मियामी के कप्तान लियोनल मेसी को दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह चोट मेसी को शनिवार को मेक्सिको की टीम नेक्शाका के खिलाफ लीग्स कप मैच के दौरान लगी। मेसी की चोट के बावजूद, इंटर मियामी ने नेक्शाका के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल की। मेडिकल रिपोर्ट में मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि मेसी को केवल 11वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम तक गए, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। इंटर मियामी के बयान के अनुसार,रिपोर्ट में मेसी के दाहिने पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि हुई है। उन्हें खेलने की अनुमति उनकी मेडिकल स्थिति और उपचार पर प्रतिक्रिया के आधार पर दी जाएगी। मेसी MLS 2025 के टॉप गोल स्कोरर मेसी इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट कर चुके हैं।

वह MLS (मेजर लीग शॉकर) के टॉप स्कोरर की सूची में फिलहाल पहले स्थान पर हैं। इंटर मियामी की स्थिति इंटर मियामी वर्तमान में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 12 जीत, 4 हार और 6 ड्रॉ के साथ 42 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। वे शीर्ष पर मौजूद फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे हैं, लेकिन उनके पास तीन अतिरिक्त मैच बाकी हैं। लीग्स कप क्वालिफिकेशन के लिए ग्रुप स्टैंडिंग में इंटर मियामी 5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें बुधवार को UNAM पुमास के खिलाफ जीत की जरूरत है।

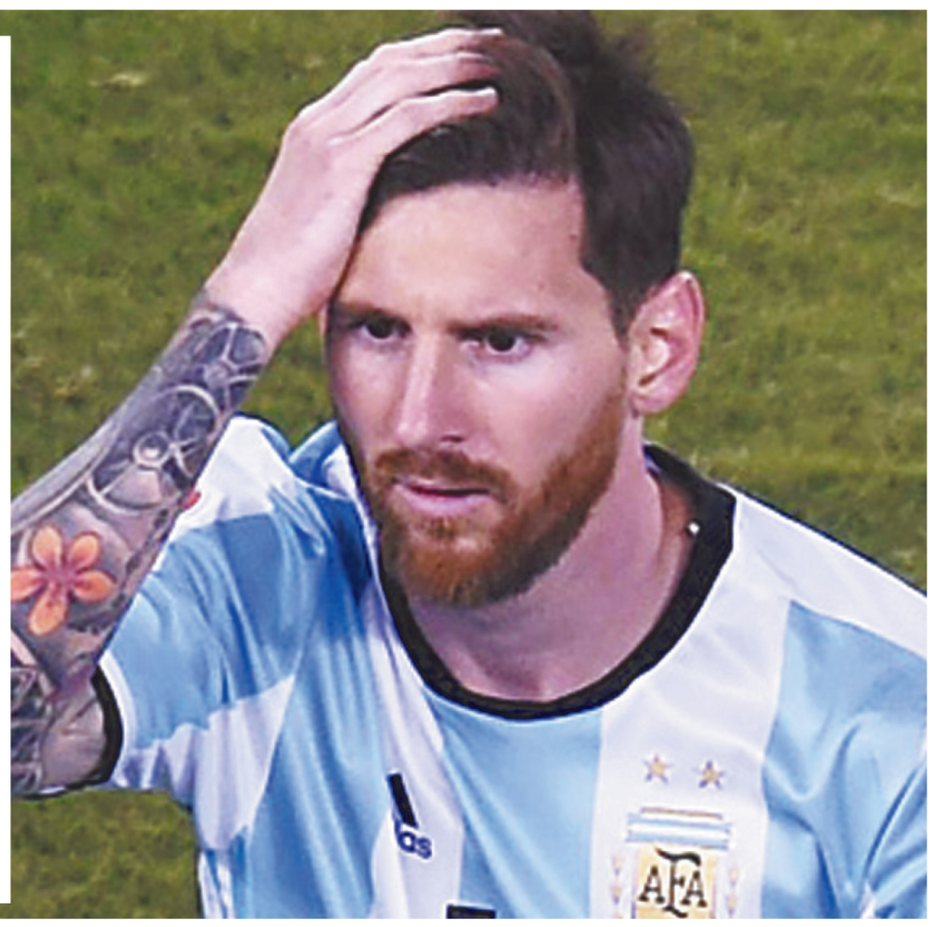

आर्चरी लीगः

भारतीय तीरंदाजी संघ ने तीरंदाजी लीग के पहले सत्र की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने सोमवार को पहली तीरंदाजी लीग की घोषणा की जिसमें दुनिया भर के महिला और पुरूष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लेंगे। लीग का पहला सत्र दिल्ली के यमुना खेल परिसर में अक्टूबर में आयोजित हो सकता है जो 11 दिन तक चलेगा । इसे

विश्व तीरंदाजी, विश्व तीरंदाजी एशिया और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है।

विश्व तीरंदाजी के महासचिव टॉम डीलेन ने कहा ,'' इस पहल से भारतीय और विदेशी तीरंदाजों में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित होगी और उनके प्रदर्शन में और निखार आयेगा । इससे वे भविष्य में बेहतर तीरंदाज बन सकेंगे ।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट : 93 साल में पहली बार ! एक सीरीज में पांच भारतीयों के 400+ रन

लंदन, एजेंसी। गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (चौके-छक्के) लगाने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर 97 बाउंड्रीज लगाईं। इनमें 85 चौके और 12 छक्के शामिल हैं। भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। वहीं, गिल ने वेस्टइंडीज के महान सर गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार

टीम इंडिया 1932 से टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन ठोके। उनके बाद केएल राहुल ने 10 पारियों में 532 रन, रवींद्र जडेजा ने 516 रन, ऋषभ पंत ने सिर्फ सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

हिंसक विद्रोह के एक साल बाद भी बांग्लादेश में राजनीतिक स्थिरता कोसों दूर

» ढाका, भाषा।

पिछले साल पांच अगस्त को हुए छात्रों के नेतृत्व वाले बड़े विद्रोह और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के एक साल बाद भी बांग्लादेश अब तक राजनीतिक स्थिरता हासिल नहीं कर पाया है। तेइस वर्षीय मेहरुन्निसा अपने कमरे की खिड़की के पास खड़ी थी और अपने भाई अब्दुर रहमान तारीफ से फोन पर बात कर रही थी। तभी फोन पर अचानक आवाज़ बंद हो गई। तारीफ ने बताया कि उसे आशंका हुई कि कुछ तो गड़बड़ है और वह सुरक्षाबलों तथा प्रदर्शनकारियों के बीच गोलीबारी से किसी तरह बचते हुए घर भागा जहां उसके माता-पिता खून से लथपथ बहन को डॉक्टर के पास ले जा रहे थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फोन पर बात करते समय अचानक एक गोली मेहरुन्निसा के सीने में जा लगी थी। वह पांच अगस्त ही था। उसी दिन बांग्लादेश की पूर्व **प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ना पड़ा था और उनका 15 साल लंबा शासन एक हिंसक विद्रोह के बाद समाप्त हो गया।**

ज्यादातर लोगों के लिए हसीना का पद छोड़ना खुशी की बात थी। तीन दिन बाद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला और व्यवस्था बहाल करने तथा सुधारों के बाद नए चुनाव कराने का वादा किया। हसीना की अनुपस्थिति में उन पर मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में मुकदमा चल रहा है। वह इस समय भारत में निर्वासन में हैं। लेकिन कई लोगों का कहना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक सहिष्णुता का सपना अब भी अधूरा है। न्यूयार्क आधारित मानवाधिकार समूह ह्यूमन राइट्स वॉच की एशिया मामलों की निदेशक मीनाक्षी गांगुली ने कहा, जो हजारों लोग एक साल पहले शेख हसीना की दमनकारी सत्ता के खिलाफ हिंसा की आशंका के बावजूद सड़कों पर उतरे थे, उनकी उम्मीदें अब भी अधूरी हैं। हसीना के खिलाफ हुए विद्रोह के दौरान सैकड़ों लोगों की मौत हुई, जिनमें अधिकतर छात्र थे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस थानों और सरकारी इमारतों में आग लगा दी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच खूनी संघर्ष भी हुआ। बेहतर राजनीतिक बदलाव के इच्छुक 20 वर्षीय तारीफ ने कहा, हम अन्याय और भेदभाव से मुक्त देश चाहते थे। लेकिन अब मैं हताश हूं। यूनुस सरकार ने 11 सुधार आयोग बनाए हैं, जिनमें एक राष्ट्रीय सहमति आयोग भी शामिल है जो प्रमुख राजनीतिक दलों के साथ चुनाव प्रक्रिया पर काम कर रहा है। लेकिन अब तक चुनाव की समयसीमा और प्रक्रिया पर सहमति नहीं बन सकी है। महिलाओं और अल्पसंख्यकों पर धार्मिक चरमपंथियों के हमले बढ़े हैं। हालांकि, मानवाधिकार समूहों का कहना है कि जबरन गायब करने जैसी कुछ ज्यादतियाँ रुकी हैं, लेकिन अब मनमाने ढंग से हिरासत में लिए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। विशेषकर, शेख हसीना के समर्थकों को निशाना बनाने के आरोप हैं। हसीना की पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध है, और उसके मुताबिक, पिछले एक साल में हिरासत में उसके 24 से अधिक समर्थकों की मौत हो चुकी है। ह्यूमन राइट्स वॉच ने 30 जुलाई को कहा कि अंतरिम सरकार अपनी मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में असफल रही है। उसने कुछ इलाकों में जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न की शिकायत की है। देश में राजनीतिक अस्थिरता का दौर अब भी जारी है। पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की अगुवाई वाली विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने दिसंबर या फरवरी में चुनाव की मांग की है, जबकि यूनुस सरकार अप्रैल में चुनाव की बात कह रही है। पूर्व में प्रतिबंधित इस्लामी दलों को यूनुस सरकार के तहत उभरने का अवसर मिला है। वहीं, आंदोलन का नेतृत्व करने वाले छात्र नेताओं ने एक नया राजनीतिक दल बना लिया है, जो संविधान में व्यापक बदलाव की मांग कर रहा है। जमात-ए-इस्लामी जैसे दलों ने बड़ी रैलियाँ आयोजित की हैं, जिससे यह आशंका जताई जा रही है कि कट्टरपंथी ताकतें बांग्लादेश की राजनीति को और अधिक विभाजित कर सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषक नज़मुल अहसान कालिमुल्लाह ने कहा, इस्लामी ताकतों का उभार दिखाता है कि भविष्य में बांग्लादेश में कट्टरता की जड़ें गहराई तक जा सकती हैं। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार से लोगों की उम्मीद थी कि वह चुनावी प्रक्रिया में सुधार को प्राथमिकता देगी, लेकिन वह अवसर चूकती नजर आ रही है। मेहरुन्निसा के पिता मोशर्फ हुसैन ने कहा, यह सिर्फ सत्ता परिवर्तन का आंदोलन नहीं था, बल्कि यह गहरी निराशा की अभिव्यक्ति थी। 54 वर्षों बाद भी हमें असली आज़ादी नहीं मिली है। तारीफ ने भी अपने पिता की बातों का समर्थन करते हुए कहा कि वह एक ऐसा बांग्लादेश चाहते हैं जहाँ कानून का शासन हो, ज़बरदस्ती गायब कर देने जैसी घटनाएँ न हों, और बोलने की आज़ादी सुनिश्चित हो।

2018 से अवशेषों की तलाश में खुदाई जारी है...

हिरोशिमा पर परमाणु हमले के आठ दशक बाद भी नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी

» निनोशिमा (जापान), भाषा।

जब 80 वर्ष पूर्व छह अगस्त को पहला परमाणु बम विस्फोट हुआ था, तो हजारों मृतकों को आत्मघाती हमले के लिए प्रशिक्षित सैन्य नौकाओं द्वारा हिरोशिमा के दक्षिण में स्थित छोटे से ग्रामीण द्वीप निनोशिमा लाया गया था। आठ दशक पहले (80 वर्ष पूर्व) छह अगस्त 1945 को हुए परमाणु हमले के बाद अब भी हिरोशिमा के नजदीकी द्वीप पर मृतकों के अवशेष की तलाश जारी है। कई पीड़ितों के कपड़े जल गए थे और उनके चेहरे और अंगों से मांस के लोथड़े लटक रहे थे। वे दर्द से कराह रहे थे। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, खराब चिकित्सा और देखभाल के कारण 25 अगस्त को जब फील्ड अस्पताल बंद हुआ तब केवल कुछ सौ लोग ही जीवित बचे थे। मृतकों को अव्यवस्थित और जल्दबाजी में चलाए गए अभियानों के बीच विभिन्न स्थानों पर दफनाया गया। दशकों बाद इस क्षेत्र के लोग लापता लोगों के अवशेषों की तलाश कर रहे हैं ताकि पीड़ितों के प्रति सम्मान व्यक्त कर उन्हें श्रद्धांजलि दी जा सके। इसका मकसद उन बचे लोगों को राहत पहुंचाना भी है जो अब भी अपने लापता प्रियजनों को याद में दुखी हैं। हिरोशिमा विश्वविद्यालय के शोधकर्ता रेबुन कायो मृतकों के अवशेषों की खोज के लिए नियमित रूप से निनोशिमा जाते हैं।

उन्होंने कहा, जब तक ऐसा नहीं होता इन लोगों के लिए युद्ध समाप्त नहीं होगा। लापता लोगों के अवशेष अब भी खोजे जा रहे हैं। हाल ही की एक सुबह, कायो एक पहाड़ी इलाके में स्थित उस जंगल के भूखंड पर पहुंचे, जहां वह 2018 से अवशेषों की तलाश में खुदाई कर रहे हैं। उन्होंने रबर के जूते और हेलमेट पहना और कीट-नाशक स्प्रे किया। चिलचिलाती धूप में काम करते हुए, उन्होंने उस दर्द और दुख की कल्पना की जो पीड़ितों को मरने से पहले महसूस हुआ होगा। कायो को अब तक अस्थियों के लगभग 100 टुकड़े मिल चुके हैं, जिनमें खोपड़ी के टुकड़े और एक शिशु के जबड़े की हड्डी भी शामिल है, जिसके छोटे-छोटे दांत जुड़े हुए हैं। उन्हें ए अस्थियां निनोशिमा के एक निवासी द्वारा सुझाए गए क्षेत्र में मिलीं। निनोशिमा के इस निवासी के पिता ने 80 वर्ष पहले हिरोशिमा से नावों के माध्यम से द्वीप पर लाए गए शवों को सैनिकों द्वारा दफनाते हुए देखा था। उन्होंने अस्थियों के बारे में कहा कि उनका मानना है कि वे एक छोटे बच्चे की थीं, यहां दफन किया गया छोटा बच्चा इतने सालों से अकेला है, यह बिल्कुल असहनीय है। हिरोशिमा पर अमेरिकी परमाणु हमले ने शहर को तबाह कर दिया था और निनोशिमा से लगभग 10 किलोमीटर (छह मील) उत्तर में स्थित हाइपोसेंटर के पास हजारों लोगों की मौत हो गई। उस वर्ष के अंत तक मरने वालों की संख्या1,40,000 हो चुकी थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली की घोषणा की

» मॉस्को, भाषा।

यूक्रेन द्वारा रूस के काला सागर स्थित रिसॉर्ट सोची के निकट तेल के एक डिपो पर ड्रोन हमले किए जाने के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ कैदियों की अदला-बदली की घोषणा की। रूस के अधिकारियों ने बताया कि सोची के निकट एक तेल डिपो पर यूक्रेन के ड्रोन हमले से भीषण आग लग गई। क्रास्नोडार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटएव ने टेलीग्राम पर बताया कि एक ड्रोन का मलबा गिरने से ईंधन टैंक में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए 120 से अधिक दमकलकर्मी तैनात किए गए। सोशल मीडिया पर सामने आए इस घटना के वीडियो में तेल डिपो के ऊपर से धुएं के विशाल गुबार उठते दिखाई दिए। रूस के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण रोसावियात्सिया ने सोची हवाई अड्डे पर उड़ानों का परिचालन अस्थाई रूप से रोक दिया है। इस बीच वोरोनिश क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य यूक्रेनी ड्रोन हमले में चार लोग घायल हो गए।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रविवार रात तक रूस और काला सागर के ऊपर से 93 यूक्रेनी ड्रोनों को मार गिराया। इस बीच, दक्षिणी यूक्रेन में माइकोलाइव शहर के एक आवासीय क्षेत्र पर रूस ने मिसाइल से हमला किया जिसमें सात लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने रविवार को कहा कि रूस ने यूक्रेन पर 76 ड्रोन और सात मिसाइल दागीं। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रविवार को कहा कि जुलाई में इस्तांबुल में हुई वार्ता के बाद यूक्रेन और रूस।,200 कैदियों की अदला-बदली करने पर सहमत हो गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा,1,200 कैदियों की अदला-बदली करने के संबंध में एक समझौता हुआ है। जेलेंस्की ने कहा कि जिन व्यक्तियों की अदला-बदली की जानी है उनकी सूची तैयार की जा रही है जिससे हमारे आम नागरिक वापस आ सकेंगे। हालांकि, रूस ने इस संबंध में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है।

भारत और सिंगापुर की नौसेनाओं ने संयुक्त अभ्यास किया

सिंगापुर, (भाषा)। भारतीय नौसेना और सिंगापुर गणराज्य नौसेना (आरएसएन) ने 28 जुलाई से एक अगस्त तक वार्षिक सिंगापुर-भारत समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास (सिमबेक्स) किया। रक्षा मंत्रालय ने यहां बताया कि अभ्यास के तहत इस वर्ष पहले आरएसएस सिंगापुर-चांगी नौसैनिक अड्डे पर तटीय चरण और उसके बाद दक्षिण चीन सागर के दक्षिणी छोर पर समुद्री चरण का आयोजन किया गया। उसने बताया कि समुद्री चरण में दोनों नौसेनाओं के पोत और सिंगापुर गणराज्य वायु सेना (आरएसएएफ) के विमान शामिल हुए। आरएसएन ने फोर्मिडेबल (दुर्जेय) श्रेणी के फ्रिगेट आरएसएस सुप्रीम और विक्ट्री (विजई) श्रेणी के मिसाइल युद्धपोत आरएसएस विजिलेंस (एमवी मेंटर) को तैनात किया। भारतीय नौसेना ने शिवालिक श्रेणी के फ्रिगेट आईएनएस सतपुड़ा के साथ अभ्यास में भाग लिया। आरएसएएफ के एक एस70बी नौसैनिक हेलीकॉप्टर, दो फोकर-50 समुद्री गश्ती विमान और दो एफ-15एसजी लड़ाकू विमान भी इस अभ्यास में शामिल हुए। सिम्बेक्स 2025 का सफल आयोजन भारतीय नौसेना और आरएसएन के बीच स्थाई साझेदारी को रेखांकित करता है। आरएसएस के कमांडिंग ऑफिसर सुप्रीम लेफ्टिनेंट कर्नल आरोन कोह ने कहा, सिम्बेक्स सिंगापुर गणराज्य की नौसेना और भारतीय नौसेना के बीच दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंधों का प्रमाण है। यह अभ्यास अभियानगत दक्षताओं को निखारने, आपसी समझ बढ़ाने और लोगों के बीच स्थाई संबंध बनाने की दिशा में नौसैन्य कर्मियों की पीढ़ियों के लिए एक मूल्यवान मंच के रूप में वर्षों से कार्य करता रहा है। सिम्बेक्स का पहली बार 1994 में आयोजन किया गया था। इस साल यह इस अभ्यास का 32वां संस्करण था। यह आरएसएन के सबसे लंबे समय से जारी द्विपक्षीय समुद्री अभ्यासों में से एक है और भारत द्वारा किसी अन्य देश के साथ किया जाने वाला सबसे लंबा निरंतर द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।

न्यूज ब्रीफ

स्कॉटलैंड में भीषण तूफान फ्लोरिस के चलते ट्रेन रद्द, कार्य क्रम स्थगित

» लंदन, भाषा।

स्कॉटलैंड में दुर्लभ ग्रीष्मकालीन तूफान फ्लोरिस के चलते प्रशासन ने ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी हैं, पार्क बंद कर दिए गए हैं और लोगों को घरों में सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। ब्रिटेन के मौसम विभाग ने स्कॉटलैंड के लिए एम्बर स्तर की चेतावनी जारी की है, जिसका अर्थ है कि तेज हवाओं और भारी बारिश के चलते जीवन और संपत्ति को गंभीर खतरा हो सकता है, विशेषकर तटीय इलाकों में जहां बड़ी लहरें उठ सकती हैं। मौसम विभाग के अनुसार, तूफान की वजह से हवा की गति 137 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यह तूफान ऐसे समय आया है जब स्कॉटलैंड में पर्यटकों की भारी भीड़ रहती है। राजधानी एडिनबरा में जारी विश्व प्रसिद्ध एडिनबरा फ्रिज फेस्टिवल और अन्य सांस्कृतिक आयोजनों में हजारों लोग भाग ले रहे हैं।

शहर के प्रमुख पर्यटन आकर्षणों में से एक एडिनबरा मिलिट्री टैटू ने सोमवार को एडिनबरा कैसल में होने वाला बैगपाइपर और ड्रमवादकों की प्रस्तुति रद्द कर दी है। स्कॉटलैंड में कई ट्रेन सेवाएं और कुछ नौका सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार, यह तूफान उत्तरी आयरलैंड, वेल्स और उत्तरी इंग्लैंड के कुछ हिस्सों को भी प्रभावित कर सकता है। स्कॉटलैंड सरकार की मंत्री एंजेला कॉन्स्टेंस ने लोगों से यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की अपील करते हुए कहा, इस स्थिति को गर्मियों की बजाय सर्दियों की स्थिति की तरह देखें। कृपया सुनिश्चित करें कि आपके पास गर्म कपड़े, खाना, पानी, पर्याप्त ईंधन और पूरी तरह से चार्ज मोबाइल फोन हो। ट्रेन सेवा प्रदाता स्कॉटरेल ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे तंबू, तिरपाल या फर्नीचर जैसे सामान को अच्छी तरह से बांधकर रखें, ताकि वे तेज हवा में उड़कर रेल पटरियों या उपकरणों को नुकसान न पहुंचाएं।

सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन ने देश के विकास में तमिलों के योगदान को सराहा

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के राष्ट्रपति थर्मन षणमुगरत्नम ने सिंगापुर में शिक्षा, महिला अधिकार, राजनीति, चिकित्सा, कानून, खेल और कला जैसे क्षेत्रों में योगदान देने वाली तमिल पीढ़ियों के योगदान को सराहा। षणमुगरत्नम ने सिंगापुर के पाककला परिदृश्य में तमिल समुदाय के प्रभाव पर भी प्रकाश डाला जैसे कि मद्रास के मुस्लिम चूलिया समुदाय ने मी गोरेंग (मसालेदार तले हुए नूडल्स) व्यंजन को कैसे लोकप्रिय बनाया। द स्ट्रेट्स टाइम्स ने सोमवार को थर्मन के हवाले से कहा, आज हम एसजी60 (स्वतंत्र सिंगापुर के 60 वर्ष) का जश्न मना रहे हैं।

यह हमारे प्रत्येक समुदाय के योगदान की याद दिलाता है चाहे वे सबसे कठिन जीवन जीने वाले मजदूर हों या फिर सिविल सेवक, शिक्षाविद, पेशेवर और उद्यमी, सभी ने इस राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया है। थर्मन ने शनिवार को एनसाइक्लोपीडिया ऑफ सिंगापुर तमिल्स (ईएसटी) के विमोचन के अवसर पर लगभग 600 अतिथियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सिंगापुर के तमिल समुदाय की कहानी कई मायनों में सिंगापुर की ही कहानी है जो इसके लचीलेपन, बहुसांस्कृतिक एकीकरण और साथ ही देश की स्वतंत्रता के 60 वर्षों में गहरे सामाजिक परिवर्तन की कहानी है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिंगापुर की आजादी के बाद शुरुआती वर्षों में दक्षिण भारत से आए प्रवासी अपनी जातिगत परंपराओं और प्रथाओं को स्वाभाविक रूप से अपने साथ लाए थे।

समीक्षा : स्मार्ट सिटी की शुरुआत लोगों से होती है, तकनीक से नहीं

» जोहानिसबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) , भाषा।

अफ्रीकी शहर अविश्वसनीय गति से विकसित हो रहे हैं। इस विकास के साथ अवसर और चुनौतियां भी पेश आ रही हैं। हम ऐसे शहर कैसे बनाएं जो न केवल स्मार्ट हों, बल्कि निष्पक्ष, समावेशी और मजबूत भी हों? एक स्मार्ट सिटी सेवाओं को अधिक कुशलता से चलाने और वास्तविक समय में समस्याओं का समाधान करने के लिए सेंसर, डेटा नेटवर्क और कनेक्टेड डिवाइस जैसे डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करती है। यातायात और बिजली से लेकर सार्वजनिक सुरक्षा और अपशिष्ट निपटान तक, स्मार्ट प्रौद्योगिकियों का लक्ष्य जीवन को अधिक सुगम, हरित और अधिक कनेक्टेड बनाना है। आदर्श रूप से, स्मार्ट प्रौद्योगिकियां सरकार को नागरिकों की बात सुनने और बेहतर तरीके से उनकी सेवा करने में भी मदद करती हैं। लेकिन समुदाय के सहयोग के बिना, स्मार्ट सिटी उन लोगों की अनदेखी कर सकती है जिनकी मदद करने के लिए इसे बनाया गया है। इसीलिए एक अलग दृष्टिकोण जोर पकड़ रहा है। यह दृष्टिकोण तकनीकी कंपनियों या शहर के अधिकारियों से नहीं, बल्कि स्वयं निवासियों से शुरू होता है।

मैं जोहानिसबर्ग विश्वविद्यालय के टेरेंस फेन के साथ मिलकर यह जानने की कोशिश कर रहा हूं कि व्यवहार में यह कैसा दिखता है। हमने जोहानिसबर्ग के लोगों के एक समूह को अपने भविष्य के पड़ोस की कल्पना करने और यह समझने के लिए आमंत्रित किया कि तकनीक उन

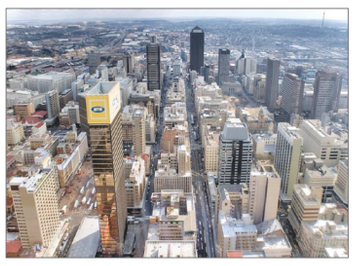

बदलावों में कैसे सहायक हो सकती है। हमारा शोध दर्शाता है कि जब निवासी स्मार्ट सिटी के लिए दृष्टिकोण को आकार देने में मदद करते हैं, तो परिणाम अधिक प्रासंगिक, समावेशी और विश्वसनीय होते हैं। हमारा शोध केंद्र वेस्टबरी पर है, जो कि दक्षिण अफ्रीका के मध्य जोहानिसबर्ग के पश्चिम में एक घना, श्रमिक वर्ग का पड़ोस है। मूल रूप से रंगभेद के तहत रंगीन (बहु-नस्लीय) लोगों के लिए नामित, वेस्टबरी अभी भी स्थानिक अन्याय, उच्च बेरोजगारी और गिरोह-संबंधी हिंसा से प्रभावित है, जो अवसरों और बुनियादी सेवाओं तक पहुंच को सीमित करने वाली चुनौतियां हैं। इसके बावजूद, यह लचीलेपन, सांस्कृतिक गौरव और मजबूत सामुदायिक संबंधों का स्थान भी है। हमने सहभागी भविष्य नामक एक पद्धति का परीक्षण किया, जो लोगों को अपने समुदायों के भविष्य की कल्पना करने और उसे आकार देने के लिए आमंत्रित करती है। वेस्टबरी में, हमने 30 लोगों के एक समूह के साथ काम किया, जिन्हें स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से विभिन्न आयु वर्ग, लिंग और जीवन के अनुभवों को दर्शाने के लिए चुना गया था। प्रतिभागियों ने कार्यशालाओं में भाग लिया, जहां उन्होंने अपने पड़ोस का मानचित्रण किया, कहानियां और कलाकृतियां बनाईं तथा इस बात पर चर्चा की कि वे किस प्रकार का भविष्य देखना चाहते हैं। यह दृष्टिकोण हेलसिंकी, सिंगापुर और केपटाउन जैसे शहरों में प्रयुक्त समान तरीकों पर आधारित है, जहां शहरी नियोजन को सार्थक, जमीनी तरीकों से सूचित करने के लिए स्थानीय कल्पना का उपयोग किया गया है। हमने लोगों को अपने भविष्य के पड़ोस की कल्पना करने के लिए आमंत्रित किया। वे किस तरह के बदलाव देखना चाहेंगे? स्थानीय मूल्यों और प्राथमिकताओं को दरकिनार किए बिना तकनीक इन बदलावों में कैसे सहायक हो सकती है? इस प्रक्रिया के माध्यम से यह स्पष्ट हो गया कि समुदाय इस बात में अपनी बात रखना चाहते हैं कि तकनीक उनकी दुनिया को कैसे आकार देती है। उन्होंने सुरक्षा, संस्कृति और स्थिरता को प्राथमिकताएं बताया, लेकिन ऐसी तकनीक चाहते थे जो उनके मूल्यों और रोजमर्रा की वास्तविकताओं का समर्थन करे, न कि उनका स्थान ले ले। कार्यशालाओं से पता चला कि जब लोग अपने भविष्य के पड़ोस की कल्पना करते हैं, तो प्रौद्योगिकी का मतलब गैजेट या प्रचलित शब्दों से नहीं होताअ यह वास्तविक समस्याओं को उनके जीवन के अनुकूल तरीकों से हल करने से होता है। सुरक्षा सबसे बड़ी चिंता थी। निवासियों ने स्मार्ट निगरानी प्रणालियों की कल्पना की थी जो अपराध कम करने में मदद कर सकती थीं, लेकिन वे स्पष्ट थेन्इन प्रणालियों को स्थानीय स्तर पर नियंत्रित करने की आवश्यकता थी। कैमरे और सेंसर तब तक ठीक थे, जब तक उनका प्रबंधन समुदाय के उन लोगों द्वारा किया जाता था जिन पर वे भरोसा करते थे, न कि किसी दूरस्थ अधिकारी द्वारा। लक्ष्य सुरक्षित सड़कें बनाना था, दूर से अधिक नियंत्रण प्राप्त करना नहीं। वेस्टबरी में सुरक्षा एक गहरी चिंता का विषय है, जहां निवासी गिरोह हिंसा, नशीली दवाओं से संबंधित अपराध और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ तनावपूर्ण संबंधों की दैनिक वास्तविकता के साथ जी रहे हैं। सरकारी ढांचों में विश्वास कम होता जा रहा है। स्मार्ट सुरक्षा तकनीकों की चाहत निगरानी के बारे में नहीं, बल्कि नियंत्रण और सुरक्षा की भावना को पुनः प्राप्त करने के बारे में है। बिजली की आपूर्ति लगातार होती रहे। वेस्टबरी में बिजली कटौती आम बात है। लोग सौर ऊर्जा संयंत्र चाहते थे, पर्यावरण के अनुकूल विलासिता के लिए नहीं, बल्कि बुनियादी ढांचे के रूप में। उन्होंने ऐसे सौर केंद्रों की कल्पना की जो बिजली कटौती के दौरान भी घरों, स्कूलों और स्थानीय व्यवसायों को बिजली प्रदान करते रहें। स्थायित्व कोई अमूर्त लक्ष्य नहीं थाअ यह आत्मनिर्भरता और गरिमा के बारे में था।

न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में जिंदा मिली दो साल की बच्ची, महिला गिरफ्तार

» वेलिंगटन, भाषा।

न्यूजीलैंड में एक सूटकेस में दो साल की बच्ची के जिंदा मिलने के बाद एक महिला को बाल उपेक्षा के आरोप में रविवार को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बस के चालक ने सामान रखने वाले स्थान में रखे एक सूटकेस में बच्ची को पाया था। डिटेक्टिव इंस्पेक्टर साइमन हैरिसन ने एक बयान में कहा कि ऑकलैंड के उत्तर में काईवाका बस्ती में एक बस स्टॉप पर जब एक यात्री ने चालक से उसका सामान निकालने के लिए कहा तो उसने (चालक) बैग के अंदर हलचल देखी।

हैरिसन ने बताया कि जब चालक ने सूटकेस खोला तो उसमें दो साल की बच्ची थी और उसका शरीर तप रहा था, हालांकि उसे कोई चोट नहीं पहुंची थी। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि बच्ची कितनी देर से सूटकेस में बंद थी। उन्होंने बताया कि बच्ची को अस्पताल ले जाया गया और वह स्थानीय समयानुसार रविवार रात तक भर्ती रही। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में एक महिला को बच्ची से दुर्व्यवहार या उपेक्षा के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला को सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा।

हांगकांग ने 16 विदेशी कार्यकर्ताओं के पासपोर्ट रद्द किए, वित्तीय सहायता पर प्रतिबंध लगाया

» हांगकांग, भाषा।

हांगकांग के अधिकारियों ने सोमवार को विदेशों में स्थित उन 16 कार्यकर्ताओं पर शिकंजा और कस दिया है जिन पर पहले राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के संदेह में इनाम घोषित किया गया था। नए उपायों में उन्हें दी जाने वाली वित्तीय सहायता पर प्रतिबंध लगाना तथा उनमें से अधिकांश के पासपोर्ट रद्द करना शामिल है। जुलाई में जिन 19 लोगों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए गए थे, उनमें ए कार्यकर्ता भी शामिल हैं। इन पर हांगकांग पार्लियामेंट नामक समूह में भूमिका निभाने का आरोप है, जिसे पुलिस ने विदेश में सक्रिय एक विध्वंसक संगठन करार दिया है। यह संस्था हांगकांग की आधिकारिक विधायिका नहीं है और इसका सीमित प्रभाव है।

मूल 19 कार्यकर्ताओं में से तीन को पिछले वर्ष ही ऐसे ही उपायों का सामना

करना पड़ा था। हांगकांग सरकार ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा सचिव क्रिस टैंग ने विक्टर हो, क्यूंग का-वाई, ऑस्ट्रेलियाई शिक्षाविद चोंगई फेंग और अमेरिकी नागरिक गोंग साशा सहित 16 कार्यकर्ताओं को धन या आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन 16 लोगों में से हांगकांग के पासपोर्ट धारक 12 लोगों के यात्रा दस्तावेज रद्द कर दिए गए। सरकार ने सूची में शामिल लोगों को संपत्ति पट्टे पर देने या उनके साथ संयुक्त उद्यम चलाने पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। आदेशों का उल्लंघन करने वाले को सात वर्ष तक की जेल की सजा हो सकती है। सरकार ने कहा कि ये 16 कार्यकर्ता ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड और ताइवान सहित अन्य क्षेत्रों में छिपे हुए हैं। सरकार ने उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में संलग्न रहने का आरोप लगाया।

मुद्दों को सुलझाने के लिए कंबोडिया, थाईलैंड के अधिकारियों की मलेशिया में बैठक

» कुआलालंपुर, भाषा।

थाईलैंड और कंबोडिया के अधिकारियों ने सीमा-पार समिति वार्ता के पहले दौर के लिए सोमवार को मलेशिया में बैठक की। यह वार्ता पिछले सप्ताह पांच दिनों तक सीमा पर झड़पों के बाद तनावपूर्ण संघर्ष विराम के बाद हुई है, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और 2,60,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए। समिति की चार दिवसीय बैठक पहले कंबोडिया द्वारा आयोजित की जानी थी, लेकिन बाद में दोनों पक्ष मलेशिया में तटस्थ स्थान पर बैठक करने पर सहमत हुए। मलेशिया दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन (आसियान) का वार्षिक अध्यक्ष है। संगठन ने पिछले महीने दोनों देशों के बीच टकराव रोकने में मध्यस्थता की थी। दोनों देशों के बीच 28 जुलाई को संघर्ष विराम हुआ था।

इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दोनों देशों को चेताया था कि अगर लड़ाई जारी रही तो अमेरिका उनके साथ व्यापार समझौते नहीं करेगा। संघर्ष विराम के बाद, एक अगस्त को अमेरिका ने

दोनों देशों के उत्पादों पर शुल्क 36 प्रतिशत से घटाकर 19 प्रतिशत कर दिया था। सोमवार को हुई वार्ता में आगे झड़पों से बचने के लिए मुद्दों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बातचीत के एजेंडे में साझा सीमा के पास की जमीन का मुद्दा नहीं है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा मुद्दों को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। वर्ष 1962 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय द्वारा कंबोडिया को प्राचीन प्रीह विहार मंदिर वाला क्षेत्र देने के फैसले से दोनों देशों के बीच संबंधों में और तनाव पैदा हो गया।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,